



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 23, 1978 (आश्विन 1, 1900)  
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 23, 1978 (ASVINA 1, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा० II—अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मं० से० छाबड़ा को स्थानापन्न रूप से तबर्ध आधार पर वरिष्ठ अन्वेषक के पद पर 1-9-78 से 30-11-1978 तक अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

2 श्री मं० से० छाबड़ा संघ लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ अन्वेषक के पद पर प्रतिनियुक्त पर होंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० एफ० 10 (24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 अगस्त 1978

सं० ए० 12019/1/78-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-4-1978 के अनुक्रम में 256GI/78

सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री एम० एल० खण्डूरी को 1-9-1978 से 30-11-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग बाह्य पद पर श्री एम० एल० खण्डूरी प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० एफ० 10 (24) ई० III/60 दिनांक 4-5-61 में अन्तर्विष्ट, उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव  
कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 अगस्त, 1978

सं० पी०/1807-प्रशा० I—आयकर निरीक्षण सहायक आयुक्त, पूना के पद पर उनका स्थानान्तरण हो जाने पर भारती राजस्व विभाग के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में कार्यरत उपसचिव श्री ए० एन० कोल्हटकर की सेवा, नए पद पर कार्य

करने के लिए 14-8-78 (अपराह्न) से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली को पुनः सौंपी जाती है।

दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० ए० 19014/1/77-प्रशा० 1—महालेखाकार, केरल की कोचीन शाखा में उपमहालेखाकार के पद पर उनकी तैनाती हो जाने के परिणामस्वरूप भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्त श्री आर० एस० अय्यर की सेवाएं 31-7-78 (अपराह्न) से भारतीय नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को पुनः सौंपी जाती हैं।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० जे-28/65 प्रशासन-5—गृह मन्त्रालय द्वारा स्थापित गुप्ता जांच आयोग में पुलिस अधीक्षक के रूप में चयन हो जाने पर श्री जेठानन्द, पुलिस उप-अधीक्षक, एम० आई० सी०, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को गुप्ता जांच आयोग में कार्यभार ग्रहण करने के लिए दिनांक 1-7-78 (पूर्वाह्न) में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

दिनांक 2 सितम्बर, 1978

सं० टी०-8/72-प्रशासन-5—श्री टी० आर० श्रीरामूलू, निरीक्षक के दिनांक 15-10-75 को अपने राज्य में प्रत्यावर्तन हो जाने तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में दिनांक 21-2-76 से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति के बारे में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के राजपत्र अधिसूचना टी०-8/72-प्रशा० 5, दिनांक 7-11-75 तथा दिनांक 19-3-76 क्रमशः एतद्वारा रह की जाती है।

श्री श्रीरामूलू को दिनांक 24-7-72 (अपराह्न) से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर माना जाये।

दिनांक 4 सितम्बर, 1978

सं० पी० एफ०/एम०-6/70-प्रशा० 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री सुन्दर लाल सेठ्या, लोक अभियोजक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की प्रोवेंसि बर दिनांक 11-8-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० के० 11/71-प्रशा० 5—शाह जांच आयोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री के० जी० विद्यानागर, पुलिस उप-अधीक्षक,

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने उसी पद पर दिनांक 17-5-78 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

रिपुबमन सिंह

प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 अगस्त 1978

सं० ई-32015(1)/6/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुनर्नियुक्ति आधार पर श्री सी० पी० रामाकृष्णन को 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० श्री० सु० ब० यूनिट एम० ए० पी० पी० कलक्कम का कमांडर नियुक्त करते हैं।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—बी आई० ओ० पी० डिपाजिट नं० 5 से स्थानान्तरण होने पर श्री आर० जानकीरमन ने 5 अगस्त 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एस० एच० ए० आर० सेंटर श्रीहरिकोटा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक—तमिलनाडु राज्य में निवर्तन की आय होने पर श्री सी० पी० रामाकृष्णन ने 31 जुलाई, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एम० ए० एम० पी० कलक्कम के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(2)/178/कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री परशोतम सिंह ने 31 जुलाई, 1978 के अपराह्न से सहायक महानिरीक्षक (उ० व प० क्षेत्र) नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी तारीख से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय के सहायक महानिरीक्षक विधि व नियमन के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

स्थानान्तरण होने पर श्री के० डी० नैयर, भा० पु० से० (सं० शा० क्षेत्र-67) ने 31 जुलाई, 1978 के अपराह्न से प्रशिक्षण रिजर्व नई दिल्ली कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने श्री परशोतम सिंह के स्थान पर, उसी तारीख से सहायक महानिरीक्षक (उ० व प० क्षेत्र) नई दिल्ली के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—बड़ौदा को स्थानान्तरण होने पर श्री के० के० कोल ने 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कामिक—दुर्गापुर में स्थानांतरण होने पर श्री एस० के० चड्ढा ने 5 अगस्त, 1978 के प्रवर्तन से के० श्री० पु० ब० यूनित बी० सी० सी० एस० शरिया के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० ई-16013(1)/1/78-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री बी० आर० सूद, भा० पु० से० (मणिपुर-त्रिपुरा-54) ने 10 जुलाई, 1978 के प्रवर्तन से बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो के उपमहानिरीक्षक/के० श्री० सु० ब० के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

2. यह दिनांक 3-8-78 की समसंख्यक अधिसूचना का अधिक्रमण करती है।

सं० ई 38013(2)/1/78 कामिक—मद्रास से स्थानांतरण होने पर श्री एल० एम० देवासहायम ने 9 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनित, एस० एच० ए० आर० सेंटर, श्रीहारिकोटा के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई 38013(3)/1/78 कामिक—कोचीन में स्थानांतरण होने पर श्री पी० के० आर० नायर ने 10 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनित एस० एच० ए० आर० सेंटर, श्रीहारिकोटा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई 38013(3)/1/78 कामिक—नागालैण्ड में स्थानांतरण होने पर श्री एम० एस० बोस ने 10 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनित आर० एस० पी० राउरकेला के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई 38013(3)/1/78 कामिक—आई० आई० टी० कानपुर से प्रत्यावर्तन होने पर श्री चेताराम सिंह ने 5 अगस्त 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० ई 38013(3)/1/78 कामिक—शरिया में स्थानांतरण होने पर श्री एन० सी० दास ने 7 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनित डी० एम० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद

सहायक महानिरीक्षक (कामिक)

के० श्री० सु० ब० मुख्यालय

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 7 (42)/61315—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक पी० डी०/2/2104 दिनांक 6-6-78 के आगे श्री एस० पी० चटर्जी को स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-7-78 से सहायक कार्य प्रबन्धक के पदपर नियमित रूप से वेतनमान रु०

840-40-1000 रु० रो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाकाल पर दिनांक 10-4-78 से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर रहेंगे।

सं० 7 (43)—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक पी० डी०/1/7296 दिनांक 12-12-77 के आगे श्री पी० पी० शर्मा को सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-7-78 से वेतनमान रु० 840-40-1000 रु० रो०-40-1200 में नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा काल पर दिनांक 1-12-77 से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर रहेंगे।

दिनांक 26 अगस्त 1978

सं० 7 (41) 4412—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक सी०/4/6920 दिनांक 28-11-77 के आगे श्री एस० एस० जोहरी, को स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-7-78 से सहायक नियंत्रण अधिकारी के पद पर नियमित रूप से वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 रु० रो०-35-880-40-1000 रु० रो०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा काल पर दिनांक 14-12-77 से सहायक नियंत्रण अधिकारी के पद पर रहेंगे।

दिनांक 28 अगस्त 1978

सं० फ० 7 (44) 4418—श्री एस० एस० मंकी फोरमैन (उत्पादन) को स्थानापन्न रूप से दिनांक 12-8-78 से वेतनमान रु० 840-40-1000-रु० रो०-40-1200 में नियमित रूप से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया जाता है। सहायक कार्य प्रबन्धक की यह जगह श्री ए० के० घोष के तदर्थ आधार पर मुख्य रसायनज्ञ के पद पर नियुक्ति होने के कारण हुई है।

श० रा० पाठक

महा प्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-4-78 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किबे, लेखा अधिकारी की नियुक्ति दिनांक 25-3-78 से 31-7-78 तक बैंक नोट मुद्रणालय देवास में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम

महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार जम्मू व कश्मीर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० प्रशा० I/60 (58)/78-79/2221-29—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के स्थायी

अनुभाग अधिकारी श्री बंसी लाल सुल्तान जन्म तिथि : 3-4-1936 को 28-8-1978 के अपराह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० एम मुबारकी  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार  
प्रशासन तथा अधिकरण

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 17 अगस्त 1978

सं० ओ० ओ० सी०-640—निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की नियुक्ति महालेखाकार, उड़ीसा द्वारा कार्यवाहक लेखा अधिकारी के रूप में तथा उनके नाम के साथ दर्शायी गयी तिथियों से नए आदेश होने तक रु० 840-40-1000-रु० अवरोध-40-1200 के वेतनमान पर की जाती है।

- (1) श्री ए० एन० विश्वास—11-8-78 (पूर्वाह्न)
- (2) श्री डी० एस० पटनायक—10-8-78 (पूर्वाह्न)
- (3) श्री एस० आर० विश्वास—9-8-78 (पूर्वाह्न)
- (4) श्री यू० सी० महान्ती—9-8-78 (पूर्वाह्न)
- (5) श्री प्रभाकर पण्डा—9-8-78 (पूर्वाह्न)

उनकी परस्पर वरीयता ऊपर संकेतिक क्रम में होगी।

एस० पलानिअप्पन  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-I का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० प्रशा०-I/I एडी/31-वालयूम-III/सी-7(I)/6—महालेखाकार महाराष्ट्र-1, बम्बई अधिनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री पी० आर० देशपाण्डे को दिनांक 10-8-78 पूर्वाह्न से अपने कार्यालयों में, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

रजनी कृष्ण कुट्टी  
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० एयू०/ए०/II/5/वालयूम-II/784—मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सी० भास्करारामामूर्ति को अपने कार्यालय में ही दिनांक 11-8-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० एयू०/ए०/II/5/वालयूम-II/725—मुख्य लेखा परीक्षक द० म० रेलवे अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पि० सतीन्द्रनाथन को अपने कार्यालय में ही दिनांक 22-7-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न लेखे परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

डी० एन० प्रसाद,  
उप मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

दक्षिण रेलवे

मद्रास-3, दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० फ/पी० सी०/वी० आर०/10056—मुख्य लेखा परीक्षक द्वारा दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० रामनाथन को 3-8-78 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक 840-1200 रु० के वेतनमान में लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में की गई पदोन्नति केवल तदर्थ रूप से है और यह सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय पर अलंबित होगी।

टी० वी नागराजन  
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नयी दिल्ली-110022, दिनांक 2 अगस्त 1978

सं० 86016(13)/75-प्रशा०-II(पी० सी०)—वित्त मंत्रालय वयय विभाग (रक्षा प्रभाग) में अतिरिक्त वित्त सलाहकार एवं संयुक्त सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर सेवारत, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री बी० के० बनर्जी, जो वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे थे, को 9 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में प्रत्यावर्तित कर दिया गया था।

दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० 86016/(15)/77-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपए 2250/- 125/2 2500) के स्तर-II में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के

लिए, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री एस० वेंकटसुब्रह्मण्यन	22-6-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० बी० कपूर	16-6-77 (पूर्वाह्न)

बी० एस० भीर  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

#### उद्योग मंत्रालय

##### औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1978

सं० 12/596/68-प्रशासन (राजपत्रित)—रसायन व उर्वरक विभाग, नई दिल्ली में संयुक्त निदेशक के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी श्री एस० एम० आर० जैदी ने दिनांक 20 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उपनिदेशक पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-19018/336/78-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, शाखा, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हुबली के अधीक्षक श्री पी० गजेन्द्रन को दिनांक 18 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री पी० गजेन्द्रन ने दिनांक 18 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, गौहाटी में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12/365/62-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक (ग्रेड-II) (आर्थिक अन्वेषण) श्री आर० एल० चौधरी को दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से 14 जुलाई, 1978 (अपराह्न) तक के लिए कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के फलस्वरूप श्री आर० एल० चौधरी ने दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-II) (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 8 अगस्त 1978

सं० ए०-19018/351/78-प्रशासन (राजपत्रित)—वेतन तथा लेखा कार्यालय (बिस्फोटक) नागपुर से स्थानान्तरण के परिणामस्वरूप श्री एस० एन० शर्मा ने दिनांक 17 जुलाई, 1978 (अपराह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली में लेखा अधिकारी (तदर्थ), वेतन तथा लेखा कार्यालय, (लघु उद्योग), नई दिल्ली पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०-19018/350/78-प्रशासन (राजपत्रित)—भारतीय अर्थ सेवा की ग्रेड-IV अधिकारी तथा कार्यालय, वस्त्र आयुक्त बम्बई में सहायक निदेशक श्रीमती सुब्बालक्ष्मी अम्मल को राष्ट्रपतिजी दिनांक 3 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्रीमती सुब्बालक्ष्मी अम्मल ने दिनांक 3 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में उपनिदेशक (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 10 अगस्त 1978

सं० 12/365/62-प्रशासन (राजपत्रित)—तदर्थ नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री आर० एल० चौधरी ने दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से ही कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) में निदेशक (ग्रेड-II) (ई० आई०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

महेन्द्र गुप्त  
उपनिदेशक (प्रशासन)

#### बिस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 23 अगस्त, 1978

सं० ई०-II(7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II(7) में:—

श्रेणी 2-नाइट्रेट मिश्रण के अधीन

1. “अल्फाडाइन” शब्द व अंक की प्रविष्टि “विनिर्दिष्ट स्थलों पर 30 सितम्बर, 1978 पर्यन्त क्षेत्र अभि-प्रयोग हेतु” को हटा दिया जायगा;

2. "फार्माब्लैस्ट" शब्द व अंक की प्रविष्टि "विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31 मार्च, 1978 पर्यन्त अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु" को हटा दिया जाएगा ;
3. "फार्माब्लैस्ट" शब्द के पश्चात् "फार्माबूस्ट" जोड़ा जाए ;
4. "फार्माडाइन" शब्द अंक की प्रविष्टि "विनिर्दिष्ट स्थलों पर 30 सितम्बर, 1978 पर्यन्त क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु" को हटा दिया जाएगा ;
5. "फार्माजेल" शब्द व अंक की प्रविष्टि "विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31 मार्च, 1978 पर्यन्त क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु" को हटा दिया जाएगा ;
6. प्रविष्टि "मोनोएक्स" में "1978" अंकों के स्थान पर "1979" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;
7. प्रविष्टि "पी ई०-आई० एक्स०" में "1978" अंकों के स्थान पर "1979" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;
8. "परमाडाइन" शब्द के पूर्व "पेन्टाडाइन" जोड़ा जाए ;
9. प्रविष्टि "पल्क्रेक्स" में "1978" अंकों के स्थान पर "1979" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

श्रेणी 3 भाग 1 के अधीन

1. "जिओपक्स" शब्द के पश्चात् "गोभा 2ई-सी०" जोड़ा जाए ।

इंगुव नरसिंह मूर्ति  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० प्र०-1/1(221)—स्थायी उप निदेशक और स्थाना-पन्न निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बम्बई श्री एम० ए० बी० चुगताई दिनांक 30 जून, 1978 के अपराह्न से निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० प्र०-1/1(539)—राष्ट्रपति, भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप के ग्रेड-II के स्थायी अधिकारी श्री आर० एन० घोष को भारतीय दूतावास, वाशिंगटन के पूर्ति स्कन्ध से वापस लौटने पर दिनांक 1-7-78 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के० ग्रेड-I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

श्री घोष ने दिनांक 1-7-78 से पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कानपुर में पूर्ति निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है ।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० प्र०-6/247(363)/76-II—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री के० एस० कृष्णामूर्ति जिन्हें दिनांक 18-9-76 की अधिसूचना सं० प्र०-6/247(363)/76-II के अधीन एफ० आर०-56 (जे) के अधीन दिनांक 30-4-76 से सेवानिवृत्त कर दिया गया था, को बहाल करते हैं ।

श्री कृष्णामूर्ति ने 31 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया ।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० 5876/B 2181(एम० एल० एम०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री एम० एल० मित्तल को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से दिनांक 19-9-1977 के अपराह्न से मुक्त कर दिया जा रहा है ताकि वे खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) में रसायनज्ञ के रूप में अपनी नई नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें ।

बी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक

आकाशवाणी : महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1978

सं० 10/89/77S-II—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री परशोत्तम दास गुप्ता को आकाशवाणी ग्रहमदाबाद में दिनांक 20-7-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

हरजीत सिंह  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

## राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० 20 (सी-3) 1/61-ए-1 (खंड 2) अपनी निवृत्ति की आयु प्राप्त होने के परिणामस्वरूप श्री एल० डी० अजमानी राष्ट्रीय अभिलेखागार में प्रशासन अधिकारी की सरकारी सेवा से 31 मई 1978 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

अपठनीय  
अभिलेख निदेशक

## भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 7 अगस्त 1978

सं० पी० ए०/73 (24)/77 आर०-14—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र डा० बालकुंडी अश्वथराव कृष्ण को अस्थाई रूप से 6 जुलाई 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक विकिरण औषध केन्द्र में स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
उपस्थापना अधिकारी (आर०)

## सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26 दिनांक 25 अगस्त 1978

सं० ए०-24013/18/78-सिबन्दी-I—श्री टी० कृष्णन स्थायी अनुरक्षण अभियन्ता, फिल्म प्रभाग, बम्बई की मन्जूर की हुई छुट्टी समाप्त होने पर श्री बी० व्ही० कृष्णन स्थानापन्न अनुरक्षण अभियन्ता को दिनांक 10-8-1978 के बोपहर से बाद प्रवरण कोटि सहायक अनुरक्षण अभियन्ता के पद पर प्रत्यावर्तित किया।

दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 6/96/54-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के श्री डी० एन० चांदेकर, स्थायी सहायक कैमरामैन और स्थानापन्न कैमरामैन दिनांक 26-8-1978 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हुए।

एम० चन्द्रन नायर  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

## विज्ञापन और द्रव्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० ए-20012/8/73-प्र० (ए)—विज्ञापन और द्रव्य प्रचार निदेशक, श्री जी० कृष्णा राव को विजयवाड़ा स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय में 1-8-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर  
उप निदेशक प्रशासन  
कृते विज्ञापन और द्रव्य प्रचार निदेशक

बम्बई-400085 दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० एन/983/मेट/स्थापना 1/3231—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ने श्री रमेश राघवेंद्र नंजनगुड, वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) का सेवा से त्याग-पत्र 25 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम  
उप स्थापना अधिकारी  
कृते निदेशक

बम्बई-400085, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० सी०/370/चिकित्सा/स्थापना 1/3249—सेवा निवृत्ति की अवस्था होने पर इस केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग की, श्रीमती अलैयकुट्टी चाको, स्थाई मेट्रन दिनांक 30 जून, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई।

सं० डी०/1345/चिकित्सा/स्थापना 1/3251—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ने, इसी अनुसन्धान केन्द्र के एक अस्थाई स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० रविकांत गुप्ता का सेवा से त्याग पत्र दिनांक 28 अगस्त, 1976 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

सं० ए०/722/चिकित्सा/स्थापना 1/3250—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ने श्री रामचन्द्र भगवानदास अरोरा फिजियोथेरापिस्ट का, जो इस अनुसन्धान केन्द्र में अंशकालिक आधार पर थे, सेवा से त्यागपत्र दिनांक 15 सितम्बर, 1976, के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम  
उप स्थापना अधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर दिनांक 7 अगस्त 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा०/1 (92)/78-एस/8131—  
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता,

श्री एस० कृष्णन, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी को 18 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रशासनिक अधिकारी-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

बुलन्दशहर, दिनांक 17 अगस्त 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा०/1 (102)/78/एस/8533—नरोरा, परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा के मुख्य परियोजना अभियन्ता डाक एवं तार विभाग के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री के० एस० आर० के० शास्त्री को 11 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960- रुपये के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन  
प्रशासनिक अधिकारी  
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास-600006, दिनांक 19 अगस्त 1978

सं० एम० आर० पी० यू०/200 (9)/78 प्रशा०—क्रय एवं भंडार के निदेशक क्रय एवं भंडार निदेशालय के मद्रास स्थित क्षेत्रीय क्रय यूनिट के स्थानापन्न क्रय सहायक श्री एन० राजा-गोपालन को 8 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 31 अगस्त, 1978 तक के लिए उसी यूनिट में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी  
क्रय अधिकारी

भारी पानी परियोजना

अम्बई-40008, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 05000/पी-195/3927—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री विनायक कृष्णा पोतदार, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी को भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में एक अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० भापाप/स्था०/बि/3928—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य अधिकारी, श्री शिवचरन हेरमा बिरूवा, स्थायी अवसर श्रेणी लिपिक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा

विभाग, भारी पानी परियोजना (तलचर), के स्थानापन्न उच्च श्रेणी लिपिक को उसी परियोजना में 2 मई, 1978 से 30 जून, 1978 (अपराह्न) तक श्री पी० सी० मैथ्यू, सहायक कार्मिक अधिकारी जो छट्टी पर हैं, के स्थान पर तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टीएपीपी, दिनांक 19 अगस्त 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19 (1)/76—तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग के मुख्य अधीक्षक, इस बिजलीघर के स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी० कवीश्वर को, श्री के० गोपाल, लेखा अधिकारी-II के स्थान पर, जिनकी तदर्थ आधार पर पदोन्नति की गई है, 10 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से 14 अगस्त, 1978 के अपराह्न तक की अवधि के लिए रु० 840-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी-नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० ई (I) 00954—वैधशालाओं के महानिदेशक, श्री बी० सुब्रह्मण्यम को भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी) में 30 जून, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री सुब्रह्मण्यम को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय के अन्तर्गत मौसम कार्यालय, विशाखापत्तनम में तैनात किया गया है।

गुरुमुखराम गुप्ता

मौसम विज्ञानी

कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1978

सं० ए० 32014/4/76-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री रणजीत घोष, तकनीकी सहायक को दिनांक 25-2-78 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता में तैनात किया है।

दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री एच० एल० अरोड़ा, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को दिनांक 16-6-78 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1978

सं० ए० 32013/9/77-ई० I—इस विभाग की दिनांक 5-6-1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० I के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री पी० आर० चन्द्रशेखर, उपनिदेशक, अनुसंधान एवं विकास की नागर विमानन, विभाग में निवेशक, अनुसंधान तथा विकास के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 2-7-78 से 5-8-78 तक जारी रखने की अनुमति दे दी है।

प्रेम चन्द जैन  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलय

इलाहाबाद, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 29/1978—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग, मिर्जापुर में तैनात श्री दिनेश चन्द्र वर्मा, प्रशासन अधिकारी, ने अपना कार्य-भार श्री जी० एन० श्रीवास्तव, अधीक्षक ग्रुप 'बी' केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, मिर्जापुर को दिनांक 30-6-78 को दोपहर बाद सौंप दिया और अपनी सेवा निवृत्ति के समय सरकारी सेवा से मुक्त हो गए।

अमृत लाल नन्दा  
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० ए-19012/629/76-प्रशा० पांच—अधिसूचना सं० ए-19012/629/76-प्रशा० पांच, दिनांक 24-7-78 के अनुक्रम में, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, अनिरिक्त सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद पर श्री एस० आर० शर्मा की तदर्थ नियुक्ति को पूर्णतया अस्थायी आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-8-78 से 30-11-78 की अवधि तक अथवा सहायक निदेशक (प्रकाशन) का पद नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

दिनांक 4 सितम्बर, 1978

सं० ए-32012/9/75-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप-बी) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, 2-256GI/78

श्री आर० ए० ओक, अनुसंधान सहायक को, पदोन्नति पर, जो इस समय केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान शाला, पूणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर हैं, उसी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 24 जुलाई, 1978 की पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री ओक सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर 24 जुलाई, 1978 से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा  
अवर सचिव

मवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-38, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० पी० बी०/जी० जी०/9/विविध/II—श्री सी० सुरेन्द्रन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/शैल डिपो (श्रेणी II) को 21-7-78 से जिला भंडार नियंत्रक के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

आइल और नेचुरल गैस कमीशन, बम्बई में प्रतिनियुक्त श्री टी० एस० कृष्णमूर्ति वहां से लौट आकर मवारी डिब्बा कारखाने के काम पर हाजिर हुए और उन्हें 22-7-78 से स्थानापन्न उप वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (अवर प्रशासनिक) के रूप में तैनात किया गया।

श्री सैयद नियमतुल्ला, स्थानापन्न सहायक यांत्रिक इंजीनियर/जिग और औजार (श्रेणी II) को 1-8-78 से उत्पादन इंजीनियर/प्रगति/फर्निषिंग के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न वरिष्ठ लेखा अधिकारी/शैल (वरिष्ठ वेतनमान) को 4-8-78 के पूर्वाह्न से सहायक लेखा अधिकारी/फर्निषिंग के रूप में श्रेणी II सेवा में परावर्तित किया गया।

श्री जे० राजन, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी/फर्निषिंग (श्रेणी II) को 4-8-78 के पूर्वाह्न से श्रेणी III सेवा में परावर्तित किया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे से स्थानान्तरित होकर श्री बी० कार्मेलस, सहायक यांत्रिक इंजीनियर (अवर वेतनमान) मवारी डिब्बा कारखाने के काम पर हाजिर हुए और उन्हें 11-8-78 से सहायक धर्मशाला प्रबन्धक/वित्तनिर्माण/शैल (अवर वेतनमान) के रूप में तैनात किया गया।

एस० वेंकट रामन,  
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी  
कृते महा प्रबन्धक

पूति एवं पुनर्वास मन्त्रालय  
(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय  
पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन  
रायपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० पी० 3/1/78-3014 पी०—इस कार्यालय के अधि-  
सूचना सं० पी० 3/1-18077 (पी०) दिनांक 7-6-78 के  
क्रम में श्री ए० गोपाल रोष को, सहायक अभियन्ता (वर्ग बी)  
के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-  
1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, पुनर्वास  
भूमि उद्धार संगठन के इलिंग सब डिवीजन, पत्रालय और  
जिला बोधोमीर (उड़ीसा) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को  
1-4-78 के पूर्वार्द्ध से 31-3-79 तक की एक वर्ष की और अवधि  
के लिए या जब तक नियमित पदधारी वापस नहीं आ जाता,  
इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

एन० सत्यमूर्ति,  
प्रचालन अभियंता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स बोम्बे स्टुडिओस  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 3493/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा  
560 की उपधारा (3) के अनुक्रम में एतद्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स  
बोम्बे स्टुडिओस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण  
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त  
कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स सागर इंडस्ट्रीज  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त, 1978

सं० 8296/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर  
मैसर्स सागर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल  
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा  
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एल० एम० गुप्ता  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मीकाज फिल्मस  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 560/1362—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा  
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स  
मीकाज फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण  
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त  
कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सनलाईट बैटरीज  
एंड कारबन्स लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 560/1571—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा  
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स  
सनलाईट बैटरीज एंड कारबन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रति-  
कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा  
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० शाधा

प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 और हॉक फाईनेन्स प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3572—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर  
हॉक फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण  
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और  
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल

कम्पनी रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि असोका ट्रांसपोर्ट  
कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 147/560(37)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि  
असोका ट्रांसपोर्ट कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल  
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा  
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कारुडम प्लानटरस यूनियन हाई स्कूल कम्पटी के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 446/560 (5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कारुडम प्लानटरस यूनियन हाई स्कूल कम्पटी का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० पञ्चापकेशन,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कामेस्वरा चिट फण्ड एंड फाईनान्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० 74/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर “कामेस्वरा चिट फण्ड एण्ड फाईनान्स प्राईवेट लिमिटेड” का नाम

इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायणा  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पांडिचेरी

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नागपुर, दिनांक 3 अगस्त 1978

(आयकर)

सं० ईस्ट/जूरी/14/78-79—आयकर आयुक्त विदर्भ, नागपुर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 (1961 का 43) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा दिनांक 7 अगस्त, 1978 से निम्नलिखित कार्यालय को समाप्त करते हैं।

- (1) कार्यालय, आयकर अधिकारी, इस कार्यालय की सी-वार्ड, चन्द्रपुर। ता० 8-6-78 की इसी संख्या की अधिसूचना के द्वारा स्थापित।

वी० चिदम्बरम  
आयकर आयुक्त, विदर्भ,  
नागपुर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कछाड़

कछाड़, दिनांक 7 जून 1978

निर्देश सं० ए०-183/के० आर० जे०/78-79-यतः,  
मुझे, गवर्त सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० तालुक सं० 15025 338 तालुक फजील है, तथा जो परगना फुसीयार कुल, मौजा बनमाली, करीमगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री प्रान कमाई डे, करीमगंज,  
(2) श्री बालाहरि दे, करीमगंज,  
(3) श्री दिलीप कुमार दे, 2 और 3 श्री प्रान कमाई दे का पुत्र,  
(4) श्री हिरन कोच दे, श्री युक्त परिटोश दे का पुत्र,  
(5) श्री सुखामोच दे, श्री युक्त परिटोश दे का पुत्र, पावर आफ अटोनी श्री बलाहरि दे  
(अन्तरक)
2. (1) श्री जदुनाथ सेन, स्वाहाय निशी कान्त सेन का पुत्र,  
(2) श्री मखान चन्द्र सेन, श्री जदुनाथ सेन का पुत्र,  
(3) श्री प्रवीर कुमार सेन, श्री जदुनाथ सेन का पुत्र,  
(4) श्री सतमा सेन, श्री जदुनाथ सेन का पुत्र करीमगंज बाजार, करीमगंज, कछाड़  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 2226 वर्ग फुट जिसमें एक मकान खड़ा है। मकान के परिमाण 2100 वर्ग फुट जोकि करीमगंज बाजार पूरब, कछाड़ जिला, आसाम में स्थित है।

गवर्त सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 7-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/1070—यतः, मुझे, रा० कु० बाली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री किशनलाल लड्डा पुत्र श्री कानमल लड्डा निवासी 60, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमती शीला ऐग्रीश पाल श्री केसरीचन्द्र जी निवासी 240, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 240, श्री नगर कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-7-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल-78-79/  
1071—यतः, मुझे, रा० कु० वाली,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
17-12-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—1. श्री शिव दयाल पुत्र श्री कडोरे लाल साहू निवासी 26,  
साधू नगर, इन्दौर (अन्तरक)2. श्री किशन लाल पुत्र श्री गुरुमुखदास सतवानी निवासी  
87, गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्वये 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 87 (पश्चिम भाग), गोपाल बाग कालोनी,  
इन्दौर।रा० कु० वाली  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78/79/  
1072---यत, मुझे, रा० कु० वाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव में उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्रप्रभा बाहू जी पति श्री गिरधर लाल जी गोस्वामी 1, साउथ यशवंत गंज, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री सौभाग मल पुत्र श्री जुहार मल जी महता 17, यशवन्त गंज, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वागत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15 का सामने का भाग, ब्लाक नं० 43 बी स्ट्रीट नं० 4, स्नेह लता गंज, इन्दौर।

रा० कु० वाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्बि०/भोपाल 78/79/1073—यस, मुझे, रा० कु० वाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धारित:—

1. श्री गणेश राव जी रेगे, निवासी 42, बल्लभ नगर, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री हरि राम जी भार्गवा वर्तमान निवासी 43, बल्लभ नगर, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 43, का दक्षिणी भाग, बल्लभ नगर, इन्दौर।

रा० कु० वाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-7-1978

मोहर :

प्रथम चर्चा-डी० ए० ए०—

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
द्वारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

नगर नगर

नगरपालिका, नगरपालिका नगरपालिका (निराकरण)

प्रार्थन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० ए० सी०/भोपाल 78-79/  
1974—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,  
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'भाषा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन तबत प्राधिकारी को, वह विचार करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
30-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य के एक के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनराशि की गई  
है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के  
द्वारे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धनराशि  
(धनराशि) और धनराशि (धनराशि) के बीच ऐसे धनराशि  
के लिए तब तक या प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
धनराशि निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया  
है।

(क) धनराशि से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के धनराशि के बावत में कमी  
करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी रूप का धनराशि को,  
जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ धनराशि  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया गया  
बादिए या, डिपॉजिट में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में  
है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा; (1)  
का अधीन निम्नलिखित धनराशि, धनराशि :—  
3-256 GI/78

1. श्री गणेश एक जी. रेगे निवासी 43, बल्लभ नगर,  
इन्दौर। (धनराशि)

2. श्री गंगा प्रसाद पुल श्री हर भजन मल जी भार्गव  
निवासी 43, लीला तबत, बल्लभ नगर, इन्दौर।  
(धनराशि)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धनराशि के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धनराशि के संबंध में कोई भी धनराशि :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 48  
दिन की धनराशि या धनराशि धनराशि पर सूचना की  
तारीख से 36 दिन की धनराशि, जो की धनराशि धनराशि  
में धनराशि होती है, के धनराशि धनराशि में के  
किसी धनराशि धनराशि ;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 48  
दिन के धनराशि उक्त स्थावर सम्पत्ति में धनराशि किसी  
धनराशि धनराशि द्वारा, धनराशि धनराशि के धनराशि में  
धनराशि धनराशि।

न्यायिकरण :—इसमें प्रस्तुत धनराशि और धनराशि का, जो उक्त  
अधिनियम के धनराशि 20-क में परिभाषित  
है, वही धनराशि होता, जो उक्त धनराशि में धनराशि  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 44 का पश्चिमी भाग, बल्लभ नगर, इन्दौर।

रा० कु० बाली

तबत प्राधिकारी

नगरपालिका नगरपालिका (निराकरण)

प्रार्थन रंज, नगरपालिका

तारीख : 27-7-1978

तोहर :

प्रकरण भाई एं एं एं एं

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/1075—यतः, मं० रा० कु० वाली,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० स्थायी है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावर्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-1977

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है—

1. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री विद्या सागर जी हसीजा पुत्र श्री लीला राम जी हसीजा, 9/1, न्यू पलासिया, इन्दौर (अन्तरक)

2. स्टेट बैंक आफ इंडिया इस्पाईज अभिलाशा को० आ० हाऊसिंग सोसायटी लि० द्वारा स्टेट बैंक आफ इंडिया, जी० पी० ओ० रेसीडेन्सी एरिया इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याधियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यक्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषणाकर्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें अमुक्त शब्दों भोक्ताओं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रयोजन होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

1. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

2. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

3. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

अनुसूची

1. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

2. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

3. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

4. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

5. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

6. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

7. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

8. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

9. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

10. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

11. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

12. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

13. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

14. उक्त अधिनियम के अधीन सूचना

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० आई. एं. सी. एक्वी०/भोपाल 78-79/  
1976—सू. रा० कु० वाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि व अन्य है, तथा जो गुजालपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुजालपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाता चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

(ग) उक्त अधिनियम के अधीन

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती कौसर बई जिग्वा पति श्री भेरो सिंह जी जाठ,

(2) श्री घासी लाल पुत्र स्व० श्री भेरो सिंह दोनों निवासी ग्राम ताजपुर गोरी जिला—गुजालपुर (अन्तरक)

2. (1) श्री किशोर सिंह पुत्र श्री काशी राम दोनों निवासी ग्राम देवला जिला—गुजालपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण—इसके अन्तर्गत शर्तों और पेशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयुक्त होंगे जो उस अध्याय में भविष्य में प्रयुक्त होंगे।

अनुसूची

अनुसूची

अनुसूची

अनुसूची

कृषि भूमि 9.616 हेक्टेयर्स सर्वे नं० 69 साथ पक्का

कुआ, 5 हाईस पावर का मोटर पम्प विद्युत कनेक्शन व 10

ग्राम के पेड़ 40 सेंतरे के पेड़ स्थित ग्राम ताजपुर गोरी जिला—

गुजालपुर

रा० कु० वाली,

सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 27-7-1978

मोहर :

**मोहुर :**

संयुक्त अधीनस्थ राज्य—

संयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269-ब (4) के अधीन सूचना

कायदा करार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78-79/1978—यतः, मुझे, रा० कु० वाली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक आयकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरुपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुरुपमान प्रतिफल से, ऐसे दुरुपमान प्रतिफल का नकल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उल्टे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनवाई अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, किन्तु में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (4) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एहसान मोहम्मद,
- (2) श्री हकीम मोहम्मद,
- (3) श्री अब्दुल हकीम सभी पुत्र श्री फतेह मोहम्मद,
- (4) श्रीमती कमर नीसा विधवा पति श्री फतेह मोहम्मद द्वारा पावर आफ एटर्नी श्री करीम मोहम्मद सभी निवासी छीया बाखल इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री इफ्तखार हुसैन
- (2) श्री रिफाजुल्लेह दोनों पुत्र श्री फैझान हुसैन भाई कागदी निवासी 24, कागदी पुरा, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाही करने का हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तर्गतस्थानी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त सबों और वहाँ का, जो उक्त अधिनियम के धारा 26-क में परिभाषित है, वही वर्ष होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 101 का दक्षिणी भाग (दुकान) एम० टी० कलाय मार्केट, इन्दौर।

रा० कु० वाली

सहायक आयकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

मर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-7-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एन्वी०/भोपाल 78-79/

1079—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० खुली भूमि है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम लिखित में अस्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीबाबाजी शंकर निर्माण सहकारी समिति मर्यादित,

ग्वालियर (अध्यक्ष)

2. श्री अरविन्द सिंह पुत्र श्री ठाकुर लोकेन्द्र सिंह निवासी देव गढ़ कोठी, कम्पू, लखर।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि, जय विलास पैलेस कम्पाउण्ड, लखर (क्षेत्रफल 40,000 वर्ग फुट)।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-7-1978

मोहर:

तारीख : 27-7-78  
मोहर :

प्रश्न आई० सी० एन० एन०—

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एण्ड्रुसल कार्यालय

कोचीन-15, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० एल० सी० 201/78-79—यतः, मुझे,  
पी० ओ० जोर्ज,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सहायक भाषिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो पेरुम्बावूर  
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पेरुम्बावूर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 13-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरुपयोग  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का  
कारण है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दुरुपयोग प्रतिफल के, ऐसे दुरुपयोग प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के बिना तब बाका बाका प्रतिफल,  
मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
कम से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाब की वास्तविक अन्त-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाब या किसी कम या कम्य प्रतिफलों  
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्त-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गतार्थ  
अन्तरिती द्वारा अन्त नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिये।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जन रेंज—

1. बीजती गोदी कुट्टी अम्मा (अन्तरक)

2. डाक्टर मीरान साहिब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिकी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि का तात्पर्यार्थी व्यक्तिओं पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि अवधि काय  
में समाप्त होती हो, के अन्तर्पूर्वोक्त व्यक्तियों के  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेशक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तर्पूर्वोक्त की कम  
लिखित में किया जा सके।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में अन्त-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्तर्गत  
में दिया गया है।

अनुसूची

पेरुम्बावूर रजिस्ट्री अधिकारी के अन्तर्पूर्वोक्त अन्तर्गत सं०  
3575/1977 में निर्णयित अनुसूची सम्पत्ति।

पी० ओ० जोर्ज

सहायक भाषिकारी

सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एण्ड्रुसल

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एर्णाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० एल० सी० 202/78-79—यतः, मुझे  
पी० एम० जोर्ज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो परूर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 13-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में श्रुतिविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  
4-256GI/78

1. श्री मधुसूदन

(अन्तरक)

2. श्रीमती काम्ययिनी

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा 269-ग :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

परूर रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज न०  
3844/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

पी० एम० जोर्ज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, एर्णाकुलम

तारीख : 1-7-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-5, दिनांक 15 जून 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/मार्च 78/350—यतः,  
मुझे, श्रीमती पी० ललबाणी,  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० सी० ए० क्र० 1055-ए है, तथा जो नासिक  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नासिक में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 1-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए गन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयित्यों  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. (1) श्री दत्तात्रय वामोदर मांडवगणे,  
(2) श्रीमती सीताबाई दामोदर मांडवगणे,  
(3) श्री विजय कुमार दत्तात्रय मांडवगणे,  
(4) श्री प्रदीप दत्तात्रय मांडवगणे,  
(5) श्री मिलिंद दत्तात्रय मांडवगणे—सभी रहने  
वाले डोंबिवली जि० ठाणे।

(अन्तरक)

1. (1) श्री अबादास मार्तंडसेठ जगदाने,  
(2) श्री नारायण मार्तंडसेठ जगदाने—1852,  
जूनो तामेट गली, नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सी० ए० नं० 1055 -ए०, नासिक, तीन मंजीलवाली  
हमारत क्षेत्रफल :—158.9 वर्ग मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० सं० 278 दिनांक 1-3-1978  
को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललबाणी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक घायकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 15-6-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 5969/डी० ई० सी०/77—यतः मुझे,

के० पोन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36/1 माऊन्ट रोड मद्रास-32, है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करम या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किंसा आय या किंसा धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० माणीक्कम (अन्तरक)
2. श्री टी० पान्नप्पन और आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, माऊन्ट रोड डोर सं० 36/1 (टी० एस० सं० 9/1) में मकान और भूमि। (पत्र सं० 894/77)।

के० पोन्नान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-8-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 4569/डी० ई० सी०/77—यतः, मुझे, के०  
पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 242 एच०, 6 स्ट्रीट, गान्धीपुरम है, तथा  
जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गान्धीपुरम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती के० सरोजा और प्रादि (अन्तरक)

2. श्री टी० एस० मारमन (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद्य  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, गान्धीपुरम एक्सटेंशन 6, स्ट्रीट डोर सं०  
242 एच० में भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० एस०-----

1. श्रीमती के० सरोजा और प्राधि (अन्तरक)

2. श्रीमती रंगमायकी (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 4569/डी० ई० सी०/77—यतः, मुझे, के०  
पोन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 11/1259/8, गणपति गांव  
है, तथा जो कोयम्बतूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गान्धीपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, गणपति गांव, टी० एस० सं० 11/1259/8  
(पत्र सं० 1220/77) में भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-य(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006 दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 4568/डी०ई० सी०/51—यतः मुझे, के०  
पोन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13/28, 29, 29-ए (टी० एस० सं० 11/  
1267/41) है, तथा जो गणपति गांव में स्थित (और इससे  
उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, गान्दीपुरम कोयम्बतूर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य का उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० सेलवरज (अन्तरक)
2. श्रीमती एम० सुगुणा देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर गणपति गांव डोर सं० 13/28, 29, 29-ए०  
और टी० एस० 11/1267/41 में भूमि और मकान (पत्र  
सं० 1211/77)।

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978  
मोहर

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 4571/दिसम्बर/77—यतः, मुझे के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 91 सी०, अलगेसन है, तथा जो रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम 'डाकुमेण्ट 1230/77' में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी उन या अन्य प्रावियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० शंभुगुण्डम, पी० बालकृष्णन और पी० रामलिकम (अन्तरक)

2. श्री एन० एन० आर० एम० रत्नम आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, अलगेसन रोड, डोर सं० 91 सी०, टी० एस०-12/238, नारायणसामि ले आउट, हाउस सैट सं० 6 में 9 सैट और 380 सक्वयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 5979/धिसम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्न,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 433, पूनमलि है रोड, मद्रास -10 में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मद्रास  
नार्थ (डाकुमेण्ट 3733) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सूर लिवैया चेट्टि (अन्तरक)

2. श्री क्रिस्चियन मिशन संवीस प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, पूनमलि है रोड, होर सं० 433

के० पोन्न

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978

सोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री बी० एम० तम्बि (अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री के० वि० कन्नन नायर (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निदेश सं० 5987/दिसम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1, विणप वालर्स एवेन्यु ईस्ट, मैलापुर, मद्रास-14  
में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेण्ट  
1154/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 23-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भव्य धास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5--256GI/78

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, मैलापुर, पिहाम वालर्स एवेन्यु, ईस्ट और सं० 7/1।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-8-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

1. श्रीमती पल्लि अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निदेश सं० 8073-दिसम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० रामदास तियेटर, सन्कुवार्चनाम, श्रीमेरुम्बुदूर तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीमेरुम्बुदूर 'डाकुमेण्ट' 1665/77 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्री सी० पूंकावन मुदलियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्थितीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

चेंकलपेट जिला, श्रीमेरुम्बुदूर तालुका, सुकुवार्चनाम, में रामदास तियेटर ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-8-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस —————

1. श्रीमती एस० मैनावति (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती उगम देवी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त, 1978

निदेश सं० 5958/दिसम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 106, लायड्स रोड, मद्रास-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर 'मद्रास' 'डाकुमेण्ट 1093/77' में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्येयितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 86, लाट्स रोड, सं० 106 में 2.42 आउण्ड (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 17-8-78  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त, 1978

निवेदन सं० 6000/दिसम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5 और 6, डोर सं०, 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास 'डाकुमेण्ट' 975/77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्तसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाउक्करस;  
टी० गोपिन्दसामि (अन्तरिती)

2. श्री एम० आनन्दन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, प्लॉट सं० 5 और 6, ले आउट 9/74, खाली भूमि में 3/10 अभिन्न भाग।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-8-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास,

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निर्देश सं० 6001/दिसम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीसरा फ्लोर में 723 स्क्वयर फीट, प्लॉट सं०  
13 ई, ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपापन्न  
अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय टी० नगर 'मद्रास' डाकुमेण्ट 978/77 में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 16-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाउक्करमु;  
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि । (अन्तरक)

2. श्री के० पी० हाजा मोहैदीन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3 ग्राउण्ड और 169 स्क्वयर फीट में 1/25 अभिन्न भाग और  
तीसरा फ्लोर में 723 स्क्वयर फीट (प्लॉट सं० 13ई, ले आउट  
9/74, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 17-1-1978  
मोहर :

प्रकृप धार्मिक टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, पमद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 अगस्त 1978

निदेश सं० 5993/विसम्बर/77--यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5 और 6 ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इस उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I सैदापेट (डाकुमेण्ट 608/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एम० मुरुगेश नायकर ; एम० तिरुनाउक्करसु; एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि (अन्तरिक)
2. श्रीमती आर० कामाकिश; ललिता विस्वेस्वरन; रादा कुप्पुसामि और श्री आर० कुप्पुसामि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, प्लॉट सं० 5 और 6, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, में ग्राउण्ड फ्लोर में 3621 स्क्वायर फीट और 7 ग्राउण्ड और 1435 स्क्वायर फीट में 1/10 अभिन्न भाग।

के० पोन्नन;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 17 अगस्त 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन--यतः मुझे, एम० पी०

वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 90 से 92 है तथा जो तह० सिवाना में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-12-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री भवानी एग्रीकल्चरल फार्म प्राईवेट लिमिटेड, पोकरन हाउस, पी० डब्ल्यू० डी० रोड़, द्वारा निर्देशक श्री विक्रम सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री भवानीसिंह चांयावत, जोधपुर (अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल पुत्र श्री बदरमल द्वारा बाम्बे सिल्क हाउस, तिममामचेरला, गुन्टकल (आन्ध्र प्रदेश) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम खरांटिया तहसील सिवाना जिला बाकुमेर में स्थित खसरा नं० 90 से 92 की कृषि भूमि में तीसरा हिस्सा, जो उप पंजीयक, सिवाना, जिला बाकुमेर द्वारा क्रम सं० 437 दिनांक 3-12-1977 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, एम० पी०  
वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 90 से 92 तथा जो तह० सिवाना  
में स्थित है, (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
3-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णात् :—

1. श्री भवानी एग्रीकल्चरल फार्म प्राईवेट लिमिटेड,  
पोकरन, हाउस, पी० डब्ल्यू० रोड, जोधपुर द्वारा डायरेक्टर  
श्री विक्रम सिंह पुत्र स्व० श्री भवानी सिंह चौपावत,  
जोधपुर (अन्तरिती)

2. श्री केसरोमल पुत्र सिरमल निवासी समदड़ी तहसील  
सिवाना जिला बाड़मेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

खंराटिया ग्राम सिवाना तहसील में स्थित खसरा नं० 90 से  
92 की कृषि भूमि में तीसरा भाग जो उप पंजीयक सिवाना द्वारा  
क्रम सं० 435 दिनांक 3-12-77 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत  
रूप से विवरणित है ।

एम० पी० वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-78  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, एम० पी०  
वशिष्ठ आयकर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 90 से 92 है तथा जो तहसील सिवाना  
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
3-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
(निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में  
कणित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भवानी एग्रीकल्चरल फार्म प्राईवेट लिमिटेड, पोकरन  
हाउस, पी० डब्ल्यू० डी० रोड, जोधपुर द्वारा निदेशक  
श्री विक्रम सिंह पुत्र स्व० श्री भवानी सिंह, चाँपावत,  
जोधपुर। (अन्तरक)

2. श्री जवरी लाल पुत्र कानराज द्वारा मैसर्स शोकचन्द  
मनीराम नेहरू मार्केट, बिजापुर (मैसूर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम खैरातियां तहसील सिवाना जिला बाड़मेर में स्थित  
सम्पत्ति कृषि भूमि खसरा नं० 90, 91, 92 का एक तिहाई भाग  
जो उप पंजियक सिवाना द्वारा क्रम सं० 436 दिनांक 3-12-77  
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-8-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड़, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 सितम्बर 1978

निदेश सं० जीआरजी/21/77-78—अतः मुझे, ई० के० जोशी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जुन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 14 महरोली रोड़ है तथा जो गुड़गांव छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती शमशेर चौधरी पुत्री श्री रामसरूप निवासी करोल बाग बजरीय परमेशवरी देवी । (अन्तरक)
2. श्रीमती सुदेश अरोड़ा, पत्नी मदन लाल अरोड़ा निवासी विनाचिटी दुरगा पुर-13 पश्चिम बंगाल । (अन्तरिती)
3. लेबर आफिसर, लेबर डिपार्टमेंट कोठी नं० 14, अरोड़ा भवन महरोली रोड़, गुड़गांव छावनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोठी नं० 14 स्थित महरोली रोड़, गुड़गांव छावनी "सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 2826 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुड़गांव के कार्यालय में 28-12-1977 को लिखी गई"।

ई० के० जोशी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निदेश सं० एस० पी० टी०/30/77-78—अतः मुझे ई० के०

कोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका रकबा 14 कनाल 15 मरले है  
तथा जो जी० टी० रोड़ ग्राम कुन्डली में तहसील सोनीपत में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० भारत खड़ तथा अलाईड इन्डस्ट्रीज रजिस्टर्ड,  
कपूरथला (पंजाब)। (अन्तरक)

2. मै० एच० एल० टैक्स्टाईल मिल्स हैड वाटर वर्क्स रोड़,  
अमृतसर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 14 कनाल 15 मरले और जिसकी  
सं० खेवट नं० 63, भिन० खाता नं० 137, किला नं० 43/22  
22/7-4' 22/1-11 और जोकि जी० टी० रोड़, ग्राम  
कुन्डली में स्थित है।

(संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक 3709 तिथि 27-12-1977 पर दर्ज है)

ई० के० कोशी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 6-9-1978

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

न्यायलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अगस्त 1978

निर्देश सं० एसि-25/अर्जेंट-रें०-IV/कल०/78-79--

अतः मुझे, आई० वि० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० होल्डी सं० 356 तथा 357 है तथा जो चन्दन नगर, हुगली में स्थित है (और जिसके उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1977 को

प्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किता धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स ज्योति (चन्दन नगर) प्रा० लि० (अन्तरक)
2. अजय कुमार रक्सित, मिहिर कुमार रक्सित, समीर कुमार रक्सित प्रवीर कुमार रक्सित (अन्तरिती)
3. 1. श्यामापद चैटर्जी, 2. डा० के० एम० दास, 3. डा० के० एम० दास, 4. एन० सुर, 4. तापस बनार्जी सोमाराजी बनार्जी, 6. सुबोध के० दाम, 7. सुबोध के० दास, 8. सरोज के० मन्डल, 9. रमा धर, 10. दिलीप के० दत्त, 11. राम नारायण भक्त, 12. तारापद दास, 13. डा० भुपात सरकार, 14. कार्तिक चन्द्र पोले, 15. एच० वि० चक्रवर्ती, 16. सुनील के० नियोगी, 17. डा० के० एम० दास, 18. डा० आर० एम० घोष (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 बिघा 3 कट्ठा 10 छटांग जमीन साथ अंशत एक मंजिला, दो मंजिला, तिन मंजिला मकान साथ मसीन तथा फर्निचर समेत ज्योति सिनेमा नामक चित्रगृह, पौरनिगम होल्डी सं० 356 तथा 357, जिला हुगली जैसे के दलिल सं० 5546, दिनांक 5-12-77 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

आई० वि० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, कलकत्ता

तारीख: 3-8-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1978

निर्देश सं० एमि-27/अर्जन रेंज-IV /कल०/78-79—अतः

मुख्य, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6ए है तथा जो रथघाट लेन, श्रीरामपुर में स्थित है (और इसके उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मानसी चक्रवर्ती तथा श्रीमती मधुलेखा गोस्वामी (अन्तरक)

2. छवि रानी बट्टाचार्या, सभौरन बट्टाचार्या, सुमना बट्टाचार्या  
सब के सब तारा इन्जीनियरिक कम्पनी के मालिक।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

6ए, रथ घाट लेन, श्रीरामपुर, जिला हुगली के 10 कट्टा 8 छटांक 16 स्केयर फीट जमीन तथा उस पर स्थित स्ट्राकचर जैसे कि दलिल सं० 3316 दिनांक 3-12-1977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 18-8-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 5 अगस्त 1978

निर्देश सं० 219/78-79/अर्जन—यतः मुझे डि० सी०

राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7-3-40 है, जो दुरगापुर, बीदर में स्थित है), और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीदर अंडर डाकुमेंट नं० 1932/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री फकरुद्दीन बयादि पिता अबदुल सत्तार साहेब बीदर (अन्तरक)
2. श्रीमती सलीमुनिया बेगम पिता मोहम्मद इसमाइल साहब होल्डर आफ अटॉर्नि श्री मोहम्मद यूसफ अहमद नं० 7-4-3, दुरगापुर बीदर (अन्तरिती)
3. श्री भगवत सिंह एजुकेशन कालिज बांज होस्टल बीदर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर याने मकान का संख्या 7-3-40 दुरगापुर के यहाँ है।  
बीदर।

डी० सी० राजगोपालन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 5-8-78  
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 4 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० 227/78-79/अर्जन—यतः मुझे, डी० सी०

राजगोपालन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 244 और 345 और डोर नं०

206/1, 206/2 है, जो भटकल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी०आर० अंडर डाकुमेंट नं० 464/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सहीक मोहम्मद सयद पिता उमर सहिब, नवायत कॉलनि सुसगडि, भटकल (अन्तरक)

2. श्रीमती वसरोम बानू पत्नी श्री जलहा मोहेश्याम नवायत कॉलनि भटकल जि० पो० ए० हालडर, श्री मोहम्मद सुसाब हासन मोहेश्याम, डाक घर नं० 4007, दुबई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकानों और खुला स्थान संख्या 244 और 245 डोर नं० 206/1 और 206/2, नवायत कॉलनि के यहां है। एकत्र स्थान 20 गुंटास है। भटकल नाथे केनरा।

डी० सी० राजगोपालन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 4-9-78

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त, 1978

नं० 113/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8/75/1 जी० पी० रास्ता हुजुराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुराबाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

1. श्रीमती कुन्दारफलशाममा पति गोपय्या  
जमीकुनटा हुजुराबाद तालुक करीमनगर जिला।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती तनरीडा पुणपलता पति डाक्टर टी० अननदराउ  
वेमुलावाडा, सीरसीला, करीमनगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

धर नं० 8/75/1 जी० पी० रास्ता-हुजुराबाद वीस्टेन 822  
वर्ग गज-हुजुराबाद करीमनगर-जिला-दस्तावेज नं० 5182/77  
हुजुराबाद कार्यालय।

के० एस० वेकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 14-8-1978  
मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 114/78-79—यतः मुने के० एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 15.36 एकड़ है, जो पोच्चारम ग्राउन्ड  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सनगरेडु में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
14-12-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-256GI/78

1. (1) युसुपोदीन यैयद (2) हबीबोदीन हैमद (3)  
डाक्टर अजीजोदीन (4) अनीसीदीन हैमद (5)  
इमतेकाहनीसा बेगम घर नं० 22-1-1967 अजीज  
बाग-सुलतानपुरा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) मनोहरलाल अग्रवाल (2) धेन्द्रा मोहन अग्रवाल  
(3) बीजमोहम अग्रवाल (4) अनन्द मोहन अग्रवाल  
घर नं० 117 बीहोनपली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में  
दिया गया है।

अमसूची

सुकी जमीन पीचारम गाड़ सर्वे नं० 157/1 मेदक जिला में  
15.36 एकड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2017/77 उप-रजिस्ट्री  
कार्यालय सनगरेडु में।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज हैदराबाद

तारीख : 14-8-1978

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 अगस्त 1978

निर्देश सं० 115/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 23-29 एकड़ है, जो पटनखेरु मेदक जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सनगारेडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल अग्रवाल (2) धेन्द्रमोहन अग्रवाल  
(3) ब्रिजमोहन अग्रवाल (4) आनन्द मोहन  
अग्रवाल घर नं० 177 बीबीनपल्ली, सिकन्द्राबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री यमुपीदीन अहमद पोता ताजीदीन अहमद घर  
नं० 22-1-1967 अजीजबाग हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सूखी जमीन 23-29 एकड़ पटनखेरु गांव के पास सनगारेडी तालुका मेदक जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2016/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सनगारेडी में

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14 अगस्त 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 116/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट नं० 6 है, जो अमीरपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कौताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-12-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

[अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर प्रसाद पिता स्वर्गीय पापालाल घर नं० 21-2-724 चारकमान हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुन्ददास पिता किशन गोपाललोया मकान नं० 3-2-813 लीनगमपेली, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खली जमीन प्लॉट नं० 6 अमीरपेट हैदराबाद में है विस्तीर्ण 715 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3221/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कौताबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 117/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरसम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लॉट नं० 2 है, जो अमीरपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 23-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सत्यनारायण गुप्ता घर नं० 21-2-724 चारक-मान हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द लाल, पोता चुनीलाल मोहनदास घर नं० 5-5-161/3 रानीगंज सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लॉट नं० 2 अमीरपेट हैदराबाद के पास में है विस्तीर्ण 715 वर्ग यार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3222/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

सं० 118/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० खुली जमीन 530 वर्ग यार्ड है, जो मारेडपली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नीलेश बी पटेल 75 नेहरूनगर सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल गफार धर नं० 1-5-48/2 बीयोण्ड पोलीस स्टेशन मुर्शीदाबाद हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन बीस्टर्न 530 वर्ग यार्ड जान रास्ता मारेडपली सिकन्दराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2166/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

सं० 119/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 40-1-824/3 है, जो जे न० रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती दीनबानुजाल बस्तावाला घर नं० 4-1-824 जवाहरलाल नेहरू रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार गुप्ता घर नं० 18-4/ वीगयानपुरी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें संयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-824/3 नैजामशई रास्ता हैदराबाद में ह  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3606/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 120/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० 11-2-1000 और 1000/ए है, जो हबीबनगर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैंरताबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 13-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलाम हुसैन घर नं० 6-3-349/9 द्वारा कापुरी  
कालोनी पनजागुट्टा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहरुणीमा बेगम पती महमद शरफीदीन  
हैमद 10-2-1000/1000/ए हबीबनगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

घर का नं० 11-2-1000/1000/ए हबीबनगर हैदराबाद  
वीस्तर्न 171.60 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री कार्यालय कैंरताबाद में  
दस्तावेज नं० 3150/77 है ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

69 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 121/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट नं० ए घर नं० 22-7-270 दीवान खेड़ी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

- (1) श्री मनशीलाल अग्रवाल पिता हरीशंकर अग्रवाल घर नं० 15-1-630/1 फीलकाना हैदराबाद (अन्तरक)

- (2) श्री दुनगरसी हीनदुधा (2) श्रीमती जया बाई पती दुनगरसी हीनदुधा घर 21-1-740 पतरगटी हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुसी जमीन नं० /ए वसीन 687-56 वर्ग यार्ड घर का नं० 22-7-270 का भाग है दीवान देवडी हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2455/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 122/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० घर नं० 22-7-270 का भाग वीवान खेडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8-256GI/78

(1) श्री सतवलराम कनोजिया घर नं० 117/1 5वीं क्रॉस रास्ता कालसीपलयेम नया भाग बेंगलूर-2।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दुनगरसी झटुधा (2) श्रीमती जयाबाई पती दुनगरसी हीनदुधा घर नं० 21-1-740 पतरगटी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन बीस्तेन 278.44 वर्ग यार्ड एक भाग है नं० 22-7-270 नैजाम बाग वीवानदेवडी हैदराबाद के पास रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2456/77 आजमपुरा हैदराबाद के कार्यालय में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 123/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी प्रभाकर रेड्डी पिता रामचन्द्र रेड्डी बोकुडपली पुलीवेनडला तालुक कडपा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एस० सुदाकर रेड्डी पिता वी० एस० राजरेड्डी पुलोवेलडला तालुक कडपा जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तर 520 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा, कडपा में है आयकर भवन कार्यालय के सामने है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5496/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कडपा में है ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 124/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा कडपा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० शिवकुमार रेडी पिता रामचन्द्रा रेडी बुकड-पली रोड पुलीवेन्डाला तालूक कडपा जिला  
(अन्तरक)

(2) श्री वी०एस० रवीन्द्रानन्द रेड्डी पिता वी०एस० राजरेडी पुलीवेन्डाला तालूक कडपा जिला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 520 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा कडपा जिला आयकर भवन के कार्यालय के बाजू में है ई०डब्ल्यू० 38 फीट०एन० एस०-123 फीट रजिस्ट्री कार्यालय कडपा और दस्तावेज नं० 5495/77 में है

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 125/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिस की सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा कडपा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धेन्द्रा चन्द्रा भोखर रेडी पिता रामचन्द्र रेडी बुकडपली रोड पुलीवेन्डला तालुक कडपा

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एस० वीवेका नन्दारेडी पिता वी० एस० राजारेडी कडपा जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन 520 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा आयकर भवन कडपा के बाजु में है ई० वेस्ट-38 फीट मार्त सौत -123 फीट है रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में दस्तावेज नं० 5494/77

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 126/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा कडपा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1977 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० नारायण रेड्डी पिता रामचन्द्रा रेड्डी बुकडपली गांव पुलीवेन्डाला कडपा जिला  
(अन्तरक)

(2) श्री वी० एस० राजशेखर रेड्डी पिता पी० एम० राजरेड्डी पुलीवेन्डाला कडपा जिला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन 520 वर्ग याडें नागराजुपेटा गांव आयकर भवन के बाजू में, कडपा में है ई० बी० -38 फीट एन० एस०-123 फीट है दस्तावेज नं० 5498/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में है

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 1 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 127/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो नागराजुपेटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्र०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :--

(1) श्री डी० रामचन्द्रा रेड्डी वृकडपली गांव, में पुलीवेन्डला तालूक कडपा जिला

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एस० जार्ज रेड्डी पिता ए० एस० राजरेड्डी पुलीवेन्डला तालूक कडपा जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ध्येय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्येय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन बीत्सेन 851 वर्ग यार्ड नागराजुपेटा आयकर भवन कुडपा के पास में है रजिस्ट्री दस्तावेज है 5492/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कडपा में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1978

नं० 128/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3/84 ए और 85/है, जो नागराजुपेटा में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्रीमती सुगनापीटर पती एम० एन० पीटर (2) प्रानसीन्स चन्द्राशेखर पीटर (3) जोसेप चन्द्राबुशन पीटर (4) जोसेप हेमामालिनी तमाम लोग कडपा में रहते हैं

(अन्तरक)

(2) श्री जार्ज रेड्डी, (2) राजासेकर रेड्डी (3) वीवेका मनदारेड्डी (4) सुदाकररेड्डी (5) राजारेड्डी कडपा में रहते हैं

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3/84 ए और जमीन का सता नं० 3/85 नागराजुपेटा कडपा रेलवे स्टेशन के पास है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5684/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 अगस्त 1978

नं० 135/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 1-8-165 है, जो कामारेड्डी निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामारेड्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) कुमारी के० आर० स्वरूपारानी पिता के० आर० राजरेड्डी सरोजनी देवी रास्ता कामारेड्डी निजामाबाद जिला

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीता सीनग पिता दरशन सिंह स्टेशन रास्ता कामारेड्डी निजामाबाद जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 1-8-165 स्टेशनरोड कामारेड्डी निजामाबाद जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4954 /77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कामारेड्डी

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 17 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1978

नं० 136/78-79—यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०मलगी नं० 1-8-168 है, जो कामारेडी नैजामाबाद में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामारेडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थना:—  
8—256 GI/78

(1) कुमारी स्वरूपरानी पिता के० आर० राजरेडी सरोजिनी देवी रास्ता—कामारेडी नैजामाबाद जिला।

(अन्तरिति)

(2) श्री नीम्माला राजरेडी, पिता जीवा रेडी जनरल व्यापारी और कमीशन एजेंट गानदी गंज कामारेडी निजामाबाद जिला

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगी नं० 1-8-168 स्टेशन रास्ता कामारेडी निजामाबाद जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4955/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कामारेडी में।

के० एम० वेंकटरामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17 अगस्त 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-III/  
फरवरी-42/77-78/2608—अतः मुझे, जो० एस० गिल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० ए-427 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई  
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन दिनांक 15-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से किये नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री शृषी, पत्नी श्री सुभाष चन्द्र  
शृषी निवासी 33/3, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार स्वर्ण सिंह सामबी, सुपुत्र सरदार  
वर्यम सिंह सामबी तथा श्रीमती भागवन्ती, पत्नी  
सरदार स्वर्ण सिंह सामबी, निवासी ए-427,  
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्त्रि के प्रश्न के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 216.60 वर्ग गज क्षेत्रफल  
के प्लॉट के ऊपर बना हुआ है, जिसका नं० ए-427 है  
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित  
है :—

पूर्व : मन रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : ए-426

दक्षिण : ए-428

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 29-8-1978

मोहर :

## प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०-III/  
जनवरी-73/77-78/2609—अतः मुझे, जे० एस० गिल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एम-72ए है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 26-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जोगीन्द्र पसरीचा, बनाम् श्रीमती जोगिन्द्र  
कौर पसरीचा पत्नी श्री एच० एस० पसरीचा, निवासी  
ए-18, साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली (2) श्रीमती  
अमृत कौर अहुजा, पत्नी श्री अजीत सिंह अहुजा,  
निवासी 12/28, राजीन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) म० बी० एल० एण्ड कं०, इनके पाटनर श्री जुगल  
किशोर अग्रवाल के द्वारा, निवासी डब्ल्यू-39, ग्रेटर  
कैलाश-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

प्लॉट जोकि दुकान/व्यावसायिक दोनों हैं, इसका क्षेत्रफल  
121 वर्ग गज है, और नं० 72-ए, ब्लॉक नं०, 'एम' है, ग्रेटर  
कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहादुर गांव, दिल्ली की यूनियन  
टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : रोड़

उत्तर : (दुकान) प्लॉट नं० एम-72

दक्षिण : (दुकान) प्लॉट नं० एम-73

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 29-8-78

मोहर :

## प्राक्ष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

4/14क, आसफअली रोड़, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० आर-II/  
दिसम्बर/1593/ 77-78/2615—अतः मुझे, डी० पी० गोयल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिस की सं० मकान नं० 9 रोड़ नं० 51 है तथा जो  
पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 19-12-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) राम किशन भारती, सुपुत्र श्री बाल किशन निवासी  
9/51, पंजाबी बाग, दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोचन सिंह (2) करतार सिंह (3) बलवीर  
सिंह, सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह, निवासी 28, नार्थ एवेन्यू  
रोड़, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान जोकि 538.89 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर  
बना हुआ है जिसका नं० 9, रोड़ नं० 51 है, पंजाबी बाग, मादीपुर  
गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन नं० 51

पश्चिम : 15, चौड़ी सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० 7 पर मकान

दक्षिण : प्लॉट नं० 11 पर मकान

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 2 सितम्बर 1978

मोहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली रोड़, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/  
दिसम्बर, 1698/77-78/—अतः मुझे, डी० पी० गोयल  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० ई-9 है तथा जो न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
26-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती विद्यावती नारंग, सुपुत्री श्री परशोतम लाल,  
विधवा पत्नी श्री जय देव नारंग, निवासी मकान नं०  
सी-19, कालकाजी, नई दिल्ली-110019

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शील सहगल, पत्नी श्री ओम प्रकाश सहगल  
मकान नं० 18, नार्थ वेस्ट एवेन्यू रोड़, पंजाबी बाग  
एक्सटेंशन, दिल्ली-110026

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 9, ब्लॉक नं० 'ई' है और  
क्षेत्रफल 206/2-3 वर्ग गज है जोकि 172.8 वर्ग मीटर के बराबर  
है, न्यू मुलतान नगर, मैन रोहत्तक रोड़, जवाला हैरी गांव, दिल्ली में  
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : 40 फुट चौड़ी मैन रोड़

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-8

उत्तर : 22 फुट चौड़ी सर्विस लून

दक्षिण : 40 फुट चौड़ी मैन रोड़

डी० पी० गोयल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 2 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III/242  
दिसम्बर-28/77-78—अतः मुझे, जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० एम-44 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कमला देवी कपूर, निवासी डी-15, कमला नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एच० एस० दुग्गल, निवासी 16, ईश्वर कालोनी,  
पम्बरी रोड़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका प्लॉट नं० एम-44 ह, ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है :—

जे० एस० गिल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 7 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी/एक्यू०/1/एस० आर-II  
दिसम्बर-4/77-78—अतः मुझे, जे० एस० गिलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिस की सं० 2 है तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-1,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य दायित्वों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थातः—(1) श्री राम सिंह, निवासी 1-ई/1, मण्डेवाला, करोल  
बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दया कौर, पत्नी श्री अवतार सिंह, तथा श्री  
गुरदेव सिंह, निवासी मकान नं० 2, एन० डी० एस०  
ई० पार्ट-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका नं० 2 है और क्षेत्रफल 300 वर्ग  
गज है, हाउसिंग सोसाईटी, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1, नई में  
है ।

जे० एस० गिल

सज्जम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1978

निर्देश सं० अर्जन/898/फिरोजाबाद/77-78/48—यतः, मुझे, आर० पी० भागव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ..... है, तथा जो ..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री बीरबन पुत्र सियाराम निवासी बसई मोहम्मदपुर पो० ब० तह० फिरोजाबाद जिला आगरा (अन्तरक)

2. श्री सतीश प्रकाश मित्तल, विजय प्रकाश मित्तल, राजेन्द्र प्रसाद मित्तल, नरेन्द्र प्रकाश मित्तल व वेद प्रकाश मित्तल पुत्राण सियाराम मित्तल निवासी चौबे जी का बाग फिरोजाबाद जिला आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल गृह सम्पत्ति स्थित परमेश्वरन गेट फिरोजाबाद जिला आगरा 40000 में बेची गई।

आर० पी० भागव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-4-78  
मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th August 1978

No. A. 12019/5/74-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Senior Analyst for the period from 1-9-1978 to 30-11-1978, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an *ex cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and this pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated 4-5-1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.

for Chairman.

Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 26th August 1978

No. A. 12019/1/78-Admn.II.—In continuation of the U.P.S.C. Notification of even number dated 10-4-1978, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Khanduri, a permanent Personal Assistant (Grade C of C.S.S.S.) and officiating Senior Personal Assistant (Grade B of C.S.S.S.) to the post of Special Assistant to Chairman in the office of Union Public Service Commission on an *ad hoc* basis for the period from 1-9-1978 to 30-11-1978, or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. L. Khanduri will continue to be on deputation to the *ex cadre* post of Special Assistant to Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions continued in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E. III/60, dated 4-5-1961, as amended from time to time.

New Delhi-110011, the 14th August 1978

No. P/1807-Admn.I.—On his transfer as Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Poona, the services of Shri A. N. Kolhatkar, an officer of IRS, and working as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, have been replaced at the disposal of the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, w.e.f., 14-8-1978 (AN) for taking up his new assignment.

The 31st August 1978

No. A. 19014/1/77-Admn.I.—Consequent upon his posting as Deputy Accountant General in the Cochin Branch of the Accountant General Kerala, Trivandrum, the services of Shri R. S. Aier, an officer of the Indian Audit and Account Service on deputation as Under Secretary, Union Public Service Commission, have been replaced at the disposal of the Comptroller and Auditor General of India w.e.f., 31-7-78 (AN).

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 1st August 1978

F. No. J-28/65-Ad.V.—Consequent upon his selection as Supdt. of Police in the Gupta Commission of Inquiry set up by the Ministry of Home Affairs, Shri Jetha Nand, Dy. Supdt. of Police, SIC, C.B.I. was relieved of his duties in Central Bureau of Investigation with effect from 1-7-78 (F.N.) to join the Gupta Commission of Inquiry.

10—256GI/78

The 2nd September 1978

F. No. T-8/72-Ad.V.—The Central Bureau of Investigation Gazette Notification No. T-8/72-Ad.V., dated 7-11-75 & 19-3-76 regarding repatriation of Shri T. R. Sriramulu, Inspector, to his State on 15-10-75 and about his being reappointed as Dy. Supdt. of Police in C.B.I. with effect from 21-2-76, respectively, are hereby cancelled.

Shri Sriramulu should be treated as having continued to remain on deputation as Dy. S.P. from 24-7-72 (A.N.).

The 4th September 1978

F. No. S-6/70-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police, Establishment, hereby appoints Shri Sunder Lal Setya, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on promotion as Senior Public Prosecutor on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 11-8-78 and until further orders

F. No. K-11/71-Ad.V.—Consequent on his repatriation from the Shah Commission of Inquiry, Shri K. G. Vidyasagar, Dy. S.P., C.B.I. joined C.B.I. in the same capacity on the Forenoon of 17-8-78.

RIPDAMAN SINGH,

Administrative Officer (A)

C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, 28th August 1978

No. E-32015(1)/6/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Ramakrishnan as Commandant CISF Unit MAPP Kalpakkam on reemployment basis with effect from the forenoon of 1st August 1978 until further orders.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from BIOP Deposit-5 Shri R. Jankiraman assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit SHAR Centre, Sriharikota with effect from the forenoon of 5th August 1978.

The 31st August 1978

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation in Tamil Nadu State Shri C. P. Ramakrishnan relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit MAPP Kalpakkam with effect from the afternoon of 31st July 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer Shri Parshotam Singh relinquished the charge of the post of AIG(NW/Zone), New Delhi with effect from the afternoon of 31st July 1978 and assumed the charge of the post of AIG(L&R) CISF HQrs, New Delhi with effect from the same date.

On transfer Shri K. D. Nayar IPS(UT-67) relinquished the charge of the post of Commandant Trg Reserve, New Delhi with effect from the afternoon of 31st July 1978 and assumed the charge of the post of AIG(NW/Zone) New Delhi *vice* Shri Parshotam Singh with effect from the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Baroda Shri K. K. Kaul relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the forenoon of 1st August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Durgapur Shri S. K. Chadha relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 5th August 1978.

The 1st September 1978

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri B. R. Sur IPS (MT-54) assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General/CISF, Bokaro Steel Ltd., Bokaro with effect from the forenoon of 10th July 1978.

2. This supercedes the notification of even number dated 3-8-78.

No. E-18013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Madras Shri L. M. Devasahayam assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit SHAR Centre, Sriharikota with effect from the afternoon of 9th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Cochin Shri P. K. R. Nair relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit SHAR Centre, Sriharikota with effect from the afternoon of the 10th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Nagaland Shri M. S. Bose relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit RSP Rourkela with effect from the afternoon of 10th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On repatriation from IIT Kanpur Shri Chetram Singh assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Trg. Reserve, New Delhi w.e.f., the afternoon of 5th August 1978.

The 2nd August 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Jharia Shri N. C. Dass relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f., the afternoon of 7th August 1978.

NARENDRA PRASAD,  
Asstt. Inspector-General (Pers).  
CIFS Hqrs.

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)  
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 24th August 1978

No. 7(42)/69315.—Further to this office notification No. PD/2/2104 dated 6-6-1978 Shri S. P. Chatterjee, is appointed to officiate as Asstt. Works Manager in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-7-78 on regular basis. He will be on probation for a period of 2 years from the date of his appointment as Asstt. Works Manager i.e. w.e.f. 10-4-78.

No. 7(43).—Further to this office notification No. PD/1/7296 dated 12-12-77 Shri P. P. Sharma, Asstt. Works Manager is appointed to officiate as Asstt. Works Manager in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-7-78 on regular basis. He will be on probation for a period of 2 years from the date of his appointment as Asstt. Works Manager i.e. w.e.f. 1-12-77.

The 26th August 1978

No. 7(41)/4412.—Further to this office notification No. C-4/6920 dated 28-11-77 Shri S. S. Johari, Assistant Chief Control Officer is appointed to officiate as Asstt. Chief Control officer in the Pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-7-78 on regular basis. He will be on probation for a period of 2 years from the date of his appointment as Assistant Chief Control Officer i.e. with effect from 14-12-77.

The 28th August 1978

No. 7(44)/4418.—Shri S. S. Manki, Foreman (Production) is appointed to officiate as Assistant Works Manager in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-8-1978 against the post of Assistant Works Manager fallen vacant due to the *ad hoc* appointment of Shri A. K. Ghosh as Chief Chemist.

S. R. PATHAK,  
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas-455001, the 30th August 1978

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 21-4-78 the *ad hoc* appointment of Shri N. G. Kibe, as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further

period from 25-3-78 to 31-7-78 on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM,  
General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPTT.  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU &  
KASHMIR, SRINAGAR

New Delhi, the 29th August 1978

No. Admn.I/60(58)/78-79/2221-29.—The Accountant General Jammu & Kashmir has appointed Shri Bansi Lal Sultan (date of birth 3-4-1936) a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer w.e.f. the Afternoon of 28-8-1978 till further orders.

M. M. MUBARAKI,  
Sr. Dy. Accountant General (A&E).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ORISSA

Bhubaneswar, the 17th August 1978

No. O.O.C1640.—The Accountant General has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840—40—1000 EB—40—1200 from the dates noted against them until further orders :—

- (1) Sri A. N. Biswas—11-8-78 F.N.
- (2) Sri D. S. Patnaik—10-8-78 F.N.
- (3) Sri S. R. Biswas—9-8-78 F.N.
- (4) Sri U. C. Mohanty—9-8-78 F.N.
- (5) Sri Prabhakar Panda—9-8-78 F.N.

Their *interse* seniority will be as indicated above.

S. PALANIAPPAN,  
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 24th August 1978

No. Admn.I/IAD/31-Vol.III/C-1(I)/6.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri P. R. Deshpande, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 10th August, 1978 FN, until further orders.

R. KRISHNAN KUTTY,  
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

SOUTH CENTRAL RAILWAY  
OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

Secunderabad-500371, the 30th August 1978

No. Au/Admn./II/5/Vol.II/724.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has been pleased to promote Shri C. Bhaskara Rama Murthy, a substantive Section Officer of his office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 11th August, 1978 Forenoon, until further orders.

No. Au/Admn./II/5/Vol.II/725.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has been pleased to promote Shri P. Satheendranathan, a substantive Section Officer of his office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 22nd July, 1978 (Forenoon) until further orders.

D. N. PRASAD,  
Dy. Chief Auditor

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR  
SOUTHERN RAILWAY

Madras-3, the 1st September 1978

No. A/PC/VR/10056.—Sri V. Ramanathan, a permanent member of the SRAS cadre, in the office of the Chief Auditor/Southern Railway/Park Town/Madras is promoted by the Chief Auditor to officiate as Audit Officer in the scale Rs. 840—1200, with effect from 3-8-1978 FN, until further orders.

Promotion made in this case is purely on an ad hoc basis and shall be subject to the final order of the Supreme Court.

T. B. NAGARAJAN,  
Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 29th August 1978

No. 86016(13)/75-AN-II(PC).—Shri B. K. Banerjee, an officer of the Indian Defence Accounts Service serving on deputation as Additional Financial Adviser & Joint Secretary in the Ministry of Finance, Department of Expenditure (Defence Division), who was officiating in Level II of the Senior Administrative Grade, was reverted to the Junior Administrative Grade from the forenoon of 9th September, 1975.

The 1st September 1978

No. 86016(15)/77-AN-II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Level II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service with effect from the dates shown against them, until further orders :—

*Sl. No., Name of Officer and Date from which appointed.*

1. Shri S. Venkatasubramanian,—22-6-77 (FN).
2. Shri R. B. Kapoor,—16-6-77 (FN).

V. S. BHIR,  
Additional Controller General of Defence Accounts.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 5th August 1978

No. 12/596/68-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Joint Director in the Department of Chemicals and Fertilizers, New Delhi, Shri S. M. R. Zaidi, a Grade III Officer of the I.E.S., has relinquished charge of the post of Deputy Director in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, with effect from the forenoon of 20th July, 1978.

No. A-19018/336/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. Gajendran, Superintendent, Br. Small Industries Service Institute, Hubli as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the S.I.D.O. with effect from the afternoon of 18-4-78 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri P. Gajendran assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (GAD) in Small Industries Service Institute, Gauthati w.e.f. the afternoon of 18th April, 1978.

No. 12/365/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. L. Chaudhuri, Director (Gr. II) (Economic Investigation) in Small Industry Development Organisation as Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on ad hoc basis with effect from 11-1-78 FN to 14-7-78 (AN).

2. Consequent upon his appointment, Shri R. L. Chaudhuri relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (E1) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the 11th January, 1978 (FN) and assumed charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 11th January, 1978.

The 8th August 1978

No. A-19018/351/78-Admn.(G).—Consequent upon his transfer from the Pay & Accounts Office (Explosives) Nagpur, Shri S. N. Sharma assumed charge of the post of Accounts Officer (ad hoc), Pay & Accounts Office (SSI), New Delhi, in the Office of the DC(SSI), New Delhi with effect from the afternoon of 17th July, 1978.

No. A-19018/350/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Smt. Subbalakshmi Ammal, a Gr. IV Officer of the I.E.S. and Assistant Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Deputy Director (Economic Investigation) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 3rd July, 1978.

2. Consequent upon her appointment, Smt. Subbalakshmi Ammal assumed charge of the post of Deputy Director (E1) in the Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the forenoon of 3rd July, 1978.

The 10th August 1978

No. 12(365)/62-Admn.(G).—On the expiry of the period of his ad hoc appointment Shri R. L. Chaudhuri relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978 and assumed charge of the post of Director (Gr. II) (E1) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

M. P. GUPTA,  
Deputy Director (Admn.).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 23th August 1978

No.E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969 :

*Under Class 2—NITRATE MIXTURE*

1. in the entry "ALFADYNE" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations provisionally upto 30th September, 1978" shall be deleted;
2. in the entry "FORMABLAST" the words and figures "for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31-3-1978" shall be deleted;
3. add "FORMABOOST" after the word "FORMABLAST";
4. in the entry "FORMADYNE" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations upto 30th September, 1978" shall be deleted;
5. in the entry "FORMAGEL" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1978" shall be deleted;
6. in the entry "MONOEX" for the figures "1978" the figures "1979" shall be substituted;
7. in the entry "PE-IX" for the figures "1978" the figures "1979" shall be substituted;
8. add "PENTADYNE" before the word "PERMADYNE"; and
9. in the entry "PULVEREX" for the figures "1978" the figures "1979" shall be substituted.

*Under Class 3 Division 1*

1. add "GOMA 2E—C" after the word "GEOPHEX".

I. N. MURTY,  
Chief Controller of Explosives.

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
(ADMINISTRATION SECTION A—1)

New Delhi-1, the 29th August 1978

No. A-1/1(221).—Shri M. A. B. Chugtai, permanent Deputy Director and officiating Director of Supplies & Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 30th August 1978

No. A-1/1(539).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Ghosh, permanent officer of Grade II of the Indian Supply Service, Group (A) on his recall from the Supply Wing, Embassy of India, Washington, to officiate as Director of Supplies (Gr. I of the Indian Supply Service, Group (A)) with effect from the forenoon of the 1st July, 1978 and until further orders.

Shri Ghosh assumed charge of the post of Director in the Directorate of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from 1-7-1978.

**SURYA PRAKASH,**

Deputy Director (Administration),  
for Director General of Supplies & Disposals.

(ADMN. SECTION A—6)

New Delhi, the 31st August 1978

No. A6/247(363)/76-II.—The Director General (S&D) has been pleased to reinstate in service Shri K. M. Krishnamurthy, AIO (Engg.) who was retired from service under FR-56(J) w.e.f. 30-4-76(AN) vide Notification No. A6/247(363)/76-II dt. 18-9-76.

Shri Krishnamurthy assumed charge of the post of AIO (Engg.) in the office of Director of Inspection, Madras on the forenoon of 31st July, 1978.

**SURYA PRAKASH,**

Dy. Director (Admn.).

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA**

(KHAN VIBHAG)

**GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700016, the 1st September 1978

No. 5876/B/2181(MLM)/19B.—Shri M. L. Mittal, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 19-9-1977 for joining his new appointment in Mineral Exploration Corporation Ltd., as Chemist.

**V. S. KRISHNASWAMY,**

Director General.

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 29th August 1978

No. 10/89/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Purushottam Dass Gupta to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Ahmedabad with effect from 20-7-78 (AN).

**HARJIT SINGH,**

Deputy Director of Administration,  
for Director General.

**NATIONAL ARCHIVES OF INDIA**

New Delhi-1, the September 1978

No. 20(C-3)-1/61-A.1(Vol.II).—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri L. D. Ajmani, retired

from Government Service as Administrative Officer in the National Archives of India on the afternoon of 31st May 1978.

Sd. Illegible

Director of Archives,  
Government of India.

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING**

Bombay-26, the 23rd August 1978

No. A.24013/18/78-Est. I.—On expiry of the leave granted to Shri T. Krishnan, Permt. Maintenance Engineer, Films Division, Bombay Shri B. V. Krishnan, Offg. Maintenance Engineer reverted to the post of Selection Grade Assistant Maintenance Engineer with effect from the afternoon of 10-8-1978.

The 4th September 1978

No. 6/96/54-Est. I.—Shri D. N. Chandekar, Permanent Asstt. Cameraman and Officiating Cameraman, Films Division, New Delhi, retired from service from the forenoon of the 26th August, 1978.

**M. CHANDRAN NAIR**

Administrative Officer  
for Chief Producer

**DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY**

New Delhi-1, the 31st August 1978

No. A-20012/8/73-Exh (A).—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri G. Krishna Rao to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Office of this Directorate at Vijayawada with effect from 1-8-78 (F.N.) until further orders.

**R. DEVASAR**

Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advtg. & Visual Publicity.

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE**

**PERSONNEL DIVISION**

Bombay, the 7th August 1978

No. PA/73(24)/77-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Balkundi Ashvathrao Krishna as Resident Medical Officer in Radiation Medicine Centre of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 6, 1978 until further orders.

**S. RANGANATHAN**

Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400 085, the 30th August 1978

Ref. N/983/Met/Estt. 1/3231.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre accepts the resignation from service tendered by Shri Ramesh Raghavendra Nanjangud, SO/SB with effect from the afternoon of April 25, 1978.

No. C/370/Med/Estt. 1/3249.—Smt. Aleykutty Chacko permanent Matron in Medical Division of this Research Centre retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of June 30, 1976.

No. D. 1345/Med./Est. 1/3251.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. Ravikant Gupta a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from the afternoon of August 28, 1976.

No. A/722/Med/Estt. I/3250.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Ramachandra Bhagwandas Arora, Physio-therapist on part-time basis in the same Research Centre with effect from the afternoon of September 15, 1976.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN  
Dy. Establishment Officer

#### NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahi-202 397, the 7th August 1978

No. NAPP/Adm/1(92)/78-S/8131.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri S. Krishnan a permanent Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the Narora Atomic Power Project with effect from 18-7-78 F.N. until further orders.

G. G. KULKARNI  
Sr. Administrative Officer

Bulandshahi-202 397, the 21st August 1978

No. NAPP/Adm/1(102)78/S/8533.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri K. S. R. K. Sastry, Junior Accounts Officer of P. & T. Department to Officiate as Assistant Accounts Officer in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 11, 1978 until further orders.

S. KRISHNAN  
Administrative Officer  
For Chief Project Engineer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600 006, the 19th August 1978

Ref. MRPU/200(9)/78 Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri N. Rajagopalan, an officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Regional Purchase Unit as Officiating Assistant Purchase Officer in the same unit with effect from the forenoon of May 8, 1978 to August 31, 1978.

S. RANGACHARY  
Purchase Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 4th September 1978

No. 05000/P-195/3927.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vinayak Krishna Potdar, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accounts Officer in Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, to officiate as Accounts Officer II, in Heavy Water Projects (Central Office), in a temporary capacity, with effect from August 1, 1978 (FN) until further orders.

No. HWP/Estt/1/B-88/3928.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivcharan Herma Birua, a permanent Lower Division Clerk in Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy and officiating Upper Division Clerk in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, from May 2, 1978 to June 30, 1978 (AN) vice Shri P. C. Mathew, Assistant Personnel Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 19th August 1978

No. TAPS/1/19(1)/76.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri B. D. Kavishwar, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis during the period from the forenoon of July 10, 1978 to the afternoon of August 14, 1978, vice Shri K. Gopal, Accounts Officer-II promoted on ad hoc basis.

A. D. DESAI  
Chief Administrative Officer

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 4th September 1978

No. E(1) 00954.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. Subrahmanyam as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th June, 1978 and until further order.

Shri Subrahmanyam is posted to Meteorological Office, Visakhapatnam under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

G. R. GUPTA  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th July 1978

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri H. L. Arora, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Technical Officer on ad hoc basis w.e.f. the 16-6-78 (FN) and to post him at the same station.

The 31st March 1978

No. A. 32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Ranjit Ghose, Technical Assistant to the grade of Assistant Technical Officer on ad hoc basis with effect from 25-2-78 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta.

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 28th August 1978

No. A. 32013/9/77-E. I.—The President is pleased to the continued appointment of Shri P. R. Chandrasekhar Deputy Director, Research & Development to the post of Director, Research and Development, Civil Aviation Department for the period from 2-7-1978 to 5-8-1978 on an ad hoc basis, in continuation of this office Notification No. A. 32013/9/77-E.I, dated 5-6-1978.

P. C. JAIN  
Assistant Director of Administration

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 24th July 1978

No. 29/1978.—Shri Dinesh Chandra Verma, Administrative Officer posted at Central Excise, I.D.O., Mirzapur handed over the charge of his duties to Shri G. N. Shrivastava, Supdt. Group 'B' Central Excise, Mirzapur in the afternoon of 30th June, 1978 and retired from the Govt. service on attaining the age of Superannuation.

A. L. NANDA  
Collector  
Central Excise, Allahabad

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 2nd September 1978

No. A-19012/629/76-Adm. V.—In continuation of Notification No. A-19012/629/76-Adm. V dated the 24-7-1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri S. R. Sharma to the post of Extra Assistant Director (Publication) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 30-8-1978 to 30-11-78 or till the post of Assistant Director (Publication) is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 4th September 1978

No. A-32012/9/75-Adm. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri R. A. Oak, Research Assistant, presently officiating as Assistant Research Officer (Engineering) on *ad hoc* basis, in the Central Water and Power Research Station, Pune, on a regular basis in the same post in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the forenoon of 24th July, 1978, until further orders.

2. Shri Oak will be on probation to the post of Assistant Research Officer (Engineering) for a period of two years w.e.f. 24th July, 1978.

J. K. SAHA

Under Secy.

Central Water Commission

INTEGRAL COACH FACTORY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the 31th August 1978

No. PB/GG/9/Misc./II.—Sri C. SURENDRAN, Official Assistant Controller of Stores/S.D. (Class II) has been promoted to officiate in senior scale as District Controller of Stores/Shell from 21-7-1978.

On return from deputation with the Oil and Natural Gas Commission, Bombay, Sri T. S. KRISHNAMURTHY reported for duty on I.C.F. and posted as Officiating Deputy Financial Adviser and Chief Accounts Officer (J.A.) from 22-7-1978.

Sri SYED NEAMATHULLAH, Officiating Assistant Mechanical Engineer/J&T (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale as Production Engineer/Progress/Fur. from 1-8-1978.

Sri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Senior Accounts Officer/Shell (S.S.) has been reverted to Class II service as Officiating Assistant Accounts Officer/Fur. from 4-8-1978 F.N.

Sri J. RAJAN, Officiating Assistant Accounts Officer/Fur. (Class II) has been reverted to Class III service from 4-8-1978 F.N.

On transfer from South Central Railway Sri V. CARME-I.US, Assistant Mechanical Engineer (I.S.) has reported for duty in I.C.F. and posted as Assistant Works Manager/Mfg./S (J.S.) from 11-8-1978.

S. VENKATARAMAN

Deputy Chief Personnel Officer

For General Manager

## MINISTRY OF SUPPLY &amp; REHABILITATION

(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER  
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Raipur-492 015, the 4th September 1978

No. P. 3/1/78-3014P.—In continuation of this office Notification No. P. 3/1-18077 (P) dated 7/6/1978, the officiating

appointment of Shri A. Gopala Rao, on *ad hoc* basis in the post of Assistant Engineer (Group 'B') in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation, posted in the Drilling Sub Division at post and District-Bolangir (Orissa) is extended for a further period of one year with effect from the forenoon of 1-4-1978 to 31-3-1979, or till the regular incumbent of the post reverts, whichever is earlier.

N. SATHYAMURTHY

Operational Engineer

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
MAHARASHTRA

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
M/s. Bombay Studios Private Limited.*

Bombay, the 29th August 1978

No. 3493/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bombay Studios Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
M/s. Sagar Industries Private Limited.*

Bombay, the 29th August 1978

No. 8296/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sagar Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA

Asstt. Registrar of Companies

Maharashtra, Bombay

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
M/s. Mikaz Films Private Limited.*

Ahmedabad, the 29th August 1978

No. 1362/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mikaz Films Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
M/s. Sunlite Batteries and Carbons Limited*

Ahmedabad, the 29th August 1978

No. 1571/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sagar Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA

Registrar of Companies, Gujarat

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
M/s. Hawk Finance Private Limited.*

Jullundur City, the 30th August 1978

No. G/Stat/560/5404.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Hawk Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
The Asoka Transport Company Limited*

Madras-6, the 31st August 1978

No. DN/147/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Asoka Transport Company Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
M/s. Cardomam Planters' Union High School Committee*

Madras-600 006, the 31st August 1978

No. DN/446/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cardomam Planters' Union High School Committee has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN  
Asst. Registrar of Companies  
Tamil Nadu

*In the matter of Companies Act 1956 and of  
Kameshwara Chit Fund and Finance Private Limited*

Pondicherry-1, the 4th September 1978

C. No. 74/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company 'Kameshwara Chit Fund and Finance Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA  
Registrar of Companies  
Pondicherry

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

VIDARBHA, NAGPUR

Nagpur, the 3rd August 1978

(INCOME TAX)

No. Esst./Jue/14/78-79.—In exercise of the powers conferred on him under section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). The Commissioner of Income-tax, Vidarbha, Nagpur hereby abolishes the following office, w.e.f. 7th August, 1978.

- (1) Office of the Income-tax officer, C-Ward, Chandrapur, Created vide this office Notification of even No. dated 8-6-1978

V. CHIDAMBARAM  
Commissioner of Income-tax  
Vidarbha, Nagpur

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 7th June 1978

Ref. No. A-183/KRJ/78-79/1969-77.—Whereas I, EGBERT SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Taluk No. 15825/338 Taluk Phazil, situated at Pargana Kusiarkul, mouza Banamali, Karimganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 7-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Pran Kanai Dey,  
Karimganj.  
2. Shri Balahari Dey  
Karimganj.  
3. Shri Dilip Kumar Dey,  
2 & 3 son of Shri Pran Kanai Dey.  
4. Shri Hiranmoy Dey  
S/o Sj. Paritesh Dey.  
5. Shri Sukhamoy Dey,  
S/o Sj. Paritesh Dey.  
Power of Attorney to—  
Shri Balahari Dey.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Jadu Nath Sen  
S/o Late Nishi Kanta Sen.  
2. Shri Makhan Chandra Sen  
S/o Shri Jadu Nath Sen.  
3. Shri Prabir Kumar Sen  
S/o Jadu Nath Sen.  
4. Shri Satana Sen  
S/o Jadu Natha Sen.  
Karimganj Bazar, Karimganj, Cachar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2226 Sq. Ft. along with a house measuring 2100 Sq. Ft. situated at East Bazar Karimganj, in the district of Cachar, Assam.

EGBERT SINGH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Date : 7-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Krishanlal Ladha s/o  
Shri Kanmalji Ladha, r/o 60, Bada Sarafa,  
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Angrish w/o  
Shri Keshrichandji,  
240, Srinagar Colony,  
Indore.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1070/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 240, Srinagar Colony, Indore.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

11—256CH/78

## FORM ITNS—

(1) Shri Shivdayal s/o Shri Kadorelal Sahu,  
r/o 26, Sadhu Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishanlal s/o  
Shri Gurumukhdas Satwani,  
87, Gopalbagh Colony, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 27th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1071/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Indore on 19-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 87, (Western Portion), Gopal Bagh Colony,  
Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 27-7-1978

Seal ;

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1072/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Goswami Chandraprabha Bahuji  
W/o Late Shri Girdharilalji Goswami,  
1, South Yeshwantganj, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Sobhagmal s/o Shri Juharmalji Mehta,  
19, Yeshwantganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front portion of House No. 15, Block No. 43-B, Street No. 4, Snchlatataganj, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ganesh Raoji Rege,  
r/ 43, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandraprakash s/o  
Shri Hariramji Bhargava,  
(at present residing at Leela Sadan, 43, Vallabh  
Nagar, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1073/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 43, (Southern Portion), Vallabh Nagar, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ganeshraoji Rege,  
r/o 43, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1074/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Gayaprasad s/o  
Shri Harbhajanmalji Bhargava,  
r/o 43, Leela Sadan,  
Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

North portion of House No. 43, Vallabh Nagar, Indore.

R. K. BALI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1075/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 20-12-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vidya Sagarji Hasija s/o  
Shri Lilaramji Hasija,  
9/1 New Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) State Bank of India Employees Abhilasha Co-op.  
Housing Society Ltd.,  
C/o State Bank of India, GPO, Residency Area,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 23, Street No. 2, Manoramaganj, Indore.

R. K. BALI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, BhopalDate : 27-7-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1076/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land etc.

situated at Shujalpur,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Shujalpur on 2-12-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kesarbai wd/o Bherusinghji Jat;  
2. Shri Ghasilal s/o Bherusingh Jat,  
both r/o Tajpur Gori, Pargana Shujalpur,  
Distt. Shajapur.

(Transferors)

- (2) Shri Kishorsingh s/o Kashiram;  
(ii) Shri Gopalsingh s/o Kashiram,  
both r/o village Dedla,  
Teh. & Distt. Shajapur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 9.616 Hectares, Survey No. 69, with Pucca Well, Motor Pump 5 H.P.; Electric Connection with Mango Trees 10 and Orange trees 40, at Gram Tajpur Gori, Dist. Shujalpur.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Pramod Kumar s/o  
Shri Murlidhar Brahmin,  
r/o Betul Bazar, Betul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sarswati Prasad s/o  
Kishorilal Mahto,  
r/o Betul Bazar, Betul.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. IAC/ACQ/BPL/1077/78-79.—Whereas I, R. K.  
BALI,

being the competent authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agrl. land, situated at Village Arul, Dist. Betul  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Betul on 2-1-1978

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitates the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 3.237 Hectres of Khasra No. 465/1  
in village Arul, Tehsil & District Betul.

R. K. BALI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 27-7-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1078/78-79.—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—256GI/78

- (1) S/Shri 1. Ahasan Mohd.;  
2. Hakim Mohd.;  
3. Abdul Karim all sons of Fateh Mohd. &  
4. Smt. Kamrunissa wd/o Fateh Mohd. through Power of Attorney Shri Karim Mohd. all r/o Chhipa Bakhal, Indore.

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Iftikhar Hussain;  
2. Riyaj Hussain both sons of Faiyyaj Hussainbhai Kagdi,  
r/o 24, Kagdipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern Portion of H. No. 101 (Shop) at M.T. Cloth Market, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978

Seal :

## FORM IINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1079/78-79—Whereas I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land, situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shivaji Grih Nirman Sahakari Samiti,  
Maryada, Gwalior

(Transferors)

- (2) Shri Arvindsingh s/o Thakur Lokendra Singh,  
s/o Deogarh Kothi,  
Kampoo, Lashkar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Land in Jai Palace Compound, Lashkar, (Area 40,000 Sq. ft.).

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-7-1978  
Seal

## FORM ITNS—

- (1) (i) Shri Vishnu Khushal Mahajan, Shahpur & (ii) Smt. Yashodabai wd/o Khushal Mahajan, r/o Shahpur, Teh. Burhanpur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (i) Shri Shreeniwasrao Ramkrishnanrao Pawade, Shahpur & (ii) Smt. Durgabai w/o Shreeniwasrao Pawade, r/o Shahpur, Teh. Burhanpur.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 27th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1080/78-79.—Whereas I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land etc.

situated at Vil. Dighe, Teh. Burhanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 3-1-1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in village Dighe Teh. Burhanpur, New No. 87, Rakba 13-90 Acres, 5-625 Hectres. Crop, trees, Motor Pump & Well.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date 27-7-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,  
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st July 1978

Ref. No. L.C. 201/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Perumbavoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perumbavoor on 13-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gourikutty Amma.

(Transferor)

(2) Dr. Meeran Sahib.

(Transferee)

(3) The Forest Working Plan Office, Perumbavoor.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

35 cents of land with building No. PMC V/323 of Perumbavoor Municipality—vide Schedule to Document No. 3575 of 1977.

P. O. GEORGE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 1-7-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Madhusudan.

(Transferor)

(2) Smt. Karthiayani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st July 1978

Ref. No. L.C. 202/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at Parur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Parur on 13-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

40½ cents of land with building No. PMC VIII/215 of Parur Municipality—vide schedule to Document No. 3844 of 1977.

P. O. GEORGE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 1-7-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,  
GANESH KHIND ROAD,  
PUNE-411005

Pune-411005, the 15th June 1978

Ref. No. CA5/Nasik/March'78/359.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 1055-A situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nasik on 1-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Dattatraya Damodar Mandavgane  
(2) Lilabai Damodar Mandavgane  
(3) Shri Vijaykumar Dattatraya Mandavgane  
(4) Shri Pradeep Dattatraya Mandavgane  
(5) Shri Milind Dattatraya Mandavgane  
All at Mombivli, Dist. Thane. (Transferor)
- (2) (1) Shri Ambadas Martandsheth Jagdane  
(2) Shri Narayan Martandsheth Jaddane  
1852, Old Tambat Lane, Nasik-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.S. No. 1055-A at Nasik, three storied building. Area : 158.9 Sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 278 dated 1-3-1978 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

Smt. P. LALWANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Pune.

Date : 15-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5969/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36/1, Mount Road, situated at Guindy, Madras-600032 comprised in T.S. No. 9/1 of Adyar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at JSR-II, Saidapet, Madras, Document No. 894 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri M. W. Manickam,  
2. Caroline Rathan Bai Manidam,  
No. 36/1, Mount Road, Guindy,  
Madras-600032.

(Transferor)

(2) 1. Shri T. Ponnappan,  
No. 22-2-11, M. A. S. Suban Chettiar St.,  
Aruppukottai.  
2. Shri T. Rathinam.  
3. Smt. R. Rajathi,  
4. Smt. M. Pappathi,  
5. S. S. R. Sankaralingam,  
6. K. S. Kamakashi Chetty of Arupprukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing present Municipal Door No. 36/1, Mount Road, Guindy, Madras-600032 comprised in T.S. No. 9/1, of Adyar Division.

Document No. 894/77.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4569/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 242H, situated at 6th St., Gandhipuram Extension, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore, Document No. 1221 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. K. Saroja  
W/o Shri N. Krishnaswamy  
2. Shri N. Krishnaswamy,  
S/o Shri Narayanaswamy Naidu,  
No. 242-H, 6th Street, Gandhipuram Extension,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri T. S. Marannan,  
S/o T. V. Subbe Gouder,  
13 'B' 6th Street, Gandhipuram Extension,  
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at 242-H, 6th Street, Gandhipuram Extension, Coimbatore (Land and Building) T.S. No. 11/1259/8. Document No. 1221/77.

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4569/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 11/1259/8 of Ganapathi Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore, Document No. 1220 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

13—256G1/78

(1) 1. Smt. K. Saroja  
W/o Shri N. Krishnaswamy,  
2. Shri N. Krishnaswamy,  
S/o Shri Narayanaswamy,  
No. 242-H, 6th Street, Gandhipuram, Extension,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Ranganayaki,  
S/o T. S. Marannan,  
13-B, 6th Street, Gandhipuram, Extension,  
Coimbatore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at T.S. No. 11/1259/8 of Ganapathi village, Coimbatore (Land and Building).

Document No. 1220/77.

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4568/Dec/77.—Whereas, I. K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/28, 29, 29A situated at N. V. Radhakrishna Chettiar and K. P. Sivaramakrishna Iyer Layout, T.S. No. 11/1267/41 of Ganapathi Village, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Coimbatore Document 1211/77 on December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Thiru M. Selvaraj,  
S/o P. Madalaimuthu,  
13/204, Dr. Rajendra Prasad Road,  
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. M. Sugunadevi,  
W/o M. M. Ramalingam,  
Vellakinaru Village,  
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at N. V. Radhakrishna Chettiar and K. P. Sivaramakrishna Iyer Lay out bearing Door No. 13/28, 29, 29A and T.S. No. 11/1267/41 of Ganapathi Village of Coimbatore Taluk.

Document No. 1211/77.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 4571/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 12/238, Door No. 91-R situated at Alag San Road, Narayanaswamy layout, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore, Doc. No. 1230/77 on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. Shanmugasundaram,  
2. P. Balakrishnan and  
3. P. Ramalingam,  
Sons of Shri K. S. Paramasivam Chettiar,  
No. 91-C, Alagesan Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Smt. L. S. RM. Rathinam Achi,  
W/o L. S. RM. Ramanathan,  
221, Gandhipuram 6th Street,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Door No. 91-C, Alagesan Road, Coimbatore T.S. No. 12/238 of Narayanaswamy Layout, Coimbatore. Document No. 1230/77. (Land and Building)

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5979/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and ground No. 433, situated at Poonamallee High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Madras North, (Document No. 3733/77) on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Soora Lingiah Chetty,  
No. 433, Poonamallee High Road,  
Madras-600010,  
(Transferor)
- (2) Christian Mission Service Private Limited,  
No. 4, Sunkurama Chetty Street,  
Madras-600001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground at No. 433, Poonamallee High Road,  
Madras-600010 (Document No. 3733)

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5987/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/1, Bishop Wallers Avenue, situated at East Mylapore, Madras-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Mylapore, Madras Document No. 1154/77 on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri V. M. Thamby,  
68, Nungambakkam High Road,  
Madras-600034.

(Transferor)

(2) Shri Nalliyari Kesavan Nair,  
7/1, Bishop Wallers Avenue,  
Madras-600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 7/1, Bishop Wallers Avenue, Madras-600004. Document No. 1154/77.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 17th August 1978

Ref. No. 8073/Dec/77.—Whereas, I. K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 137, Molachur Village, situated at Chingleput Dist. Document No. 1665/77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Sriperumbudur, on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Palani Ammal,  
W/o Shri P. M. Namadeva Chettiar,  
17/E-2, Nungambakkam High Road,  
Madrass-600034.

(Transferor)

(2) Shri C. Poongavana Mudaliar,  
S/o Chinnappa Mudaliar,  
Sunkuvar Chatram,  
Sriperumbudur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 137, Molachur Village, Sriperambudur Taluk, Chingleput Dist.

(Document No. 1665/77)

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal .

## FORM ITNS-\_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5958/Dec/77. Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

106/A, Loyds Road, situated at Madras-600014 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Mylapore, Madras (Document No. 1093/77) on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. S. Mynavathi,  
W/o Radhakrishnan,  
13-A, Pillaiar Koil Street,  
Madrass 600026.

(Transferor)

(2) Smt. Ugam Devi,  
W/o Amarchand Chhajer,  
16, Tailor's Estate 2nd Street,  
Madrass-600024.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground at Premises bearing Door No. 106-A,  
Loyds Road, Goplapuram, Madras-600086  
Document No. 1093/77.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 17th August 1978

Ref. No. 6000/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 5 and P (Part) situated at premises No. 5, Greaves Road, Madras-600006, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. T. Nagar, Madras, Doc. No. 975 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker  
2. M. Thirunavakkarasu,  
No. 1, 1st Link Street,  
C.I.T. Colony, Madras-600004.  
3. T. Govindaswamy,  
No. 62-B, Mowbrays Road,  
Madras-600018.

(Transferor)

- (2) Shri M. Anandan,  
No. 1, First Link St.,  
CIT Colony, Madras-600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3/10 undivided interest in land in plot No. 5 and 6 L.A. No. 9/74 of premises No. 5, Greaves Road, Madras-600006. Document No. 975/77.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 17-8-1978

Local

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 17th August 1978

Ref. No. 6001/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 13-E, situated at in lay out No. 9 of 1974 at 5, Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. T. Nagar, Madras Doc. No. 978/77 on December, 1977

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—256GI/78

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker,  
2. M. Thirunavakkarasu,  
3. M. Anandan,  
No. 1, 1st Link Street,  
C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-600004,  
4. Shri T. Govindaswamy,  
No. 62-B, Mowbrays Road,  
Madras-600018.

(Transferor)

- (2) Shri K. P. Haja Mohideen,  
No. 28, Jariya Street,  
Koothanallur, Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land C.S. No. 97 S No. 43/3 and R.S. No. 43/4 and C. C. No. 2950 bearing plot No. 13-E in lay out No. 9 of 1974 in premises No. 5, Greams Road, Madras-600006 (1/25 undivided interest of vacant land with building of carpet area 723 sq. ft. in 3rd floor) (Document No. 978/77).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 17th August 1978

Ref. No. 5993/Dec/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5 and 6 (in part) situated at No. 5 Greams Road, Madras-600006.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.-I Saidapet, Madras, Doct. No. 608/77 on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker,  
2. M. Thirunavakkarasu,  
3. M. Anandan,  
No. 1, 1st Link Street,  
C.I.T. Colony, Madras-600004.  
4. Shri T. Govindaswamy,  
No. 62-B, Mowbrays Road,  
Madras-600018.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. R. Kamakshi,  
2. Lalitha Visweswaran,  
3. Shri R. Kuppuswamy and Radhakuppuswamy  
No. 9, Edward Elliotts Road,  
Madras-600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/10 Undivided interest in Vacant land of 7 Grounds and 1435 sq. ft. with a Carpet area of 3621 sq. ft. in ground floor in plot No. 5 and 6 of No. 5, Greams Road, Madras-600006. (Document No. 608/77. J.S.R.-I, Saidapet)

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 90 to 92 situated at Teh. Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Siwana on 3-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhawani Agricultural Farm Pvt. Ltd.,  
Pokaran House, P.W.D. Road, Jodhpur  
Through Director Shri Vikaramsingh  
S/o Late Shri Bhawanisingh,  
Chhanpawet, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal S/o Badarmal  
C/o Bombay Silk House,  
Timmamcherla, Cuntkal (A.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in the land situated at Village Kharantia Tehsil Siwana Distt. Barmer bearing No. 90, 91 & 92 and more fully described in the conveyance deed Registered by S.R. Siwana vide his No. 437 dated 3-12-77.

M. P. VASISTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 90 to 92 situated at Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siwana on 3-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhawani Agricultural Farm Pvt. Ltd., Pokran House, P.W.D. Road, Jodhpur through Director Shri Vikaramsingh S/o Late Shri Bhawanisingh, Chhapwat, Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Kesharimal S/o Siremal, resident of Samderi, Tehsil Siwana, Distt. Barmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in the land situated at Village Kharantia Tehsil Siwana Distt. Barmer bearing Khasra No. 90, 91, & 92 and more fully described in the conveyance deed Registered by S.R. Siwana vide his No. 437 dated 3-12-1977.

M. P. VASISHTHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-6-1978

Seal

FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 90 to 92 situated at Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siwana on 3-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhawani Agricultural Farm Pvt. Ltd., Pokran House, P.W.D. Road, Jodhpur through Director Shri Vikramsingh S/o Late Shri Bhawanisingh, Chhapawat, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagwarilal S/o Kanrao, C/o M/s. Okchand Bhanianam, Nehru Market, Bijapur (Mysore).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in the land situated at Village Kharantia Tehsil Siwana Distt. Barmar bearing No. 90, 91 & 92 and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Siwana vide his No. 437 dated 3-12-77.

M. P. VASISHTHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-6-1978

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 4th September, 1978

Ref. No. GRG/21/77-78.—Whereas, I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 14 at Mehrauli Road, situated at Gurgaon Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (28 of 1957);

Nok therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shamsheer Chaudhary  
D/o Shri Ram Sarup  
R/o Karol Bagh, Delhi  
(Through Smt. Parmeshwari Devi  
General Power of Attorney).

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Arora  
W/o Shri Madan Lal Arora,  
R/o Binachithi, Durgapur-13  
(West Bengal).

(Transferee)

(3) Labour Officer,  
Labour Department,  
Kothi No. 14, Arora Bhavan,  
Mehrauli Road, Gurgaon Cantt.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 14, situated at Mehrauli Road, Gurgaon Cantt.  
"Property as mentioned in sale deed registration No. 2826 dated 28-12-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Gurgaon."

E. K. KOSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-9-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

## SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 4th September, 1978

Ref. No. SPT/30/77-78,—Whereas, I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 14 kanal 15 marlas situated at Village Kundli, on G.T. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Bharat Rubber & Allied Industries Registered Kapurthala (Punjab).

(Transferor)

(2) M/s. H. I. Textile Mills,  
Head Water Works Road,  
Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 14 kanal 15 marlas bearing Khewat No. 63, Min Khata No. 137, Kila No. 43 22/7-4, 2/7-11 situated on G.T. Road in village Kundli (Sonapat).

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 3709 dated 27-12-1977 with the Sub-Registrar, Sonapat).

E. K. KOSHI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range Rohtak.

Date : 4-9-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1978

Ref. No. AC-25/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 356 and 357 situated at Chandernagore, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Jyoti (Chandernagore) Pvt. Ltd.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Ajoy Kumar Rakshit,  
2. Sri Mihir K. Rakshit,  
3. Sri Samir Kumar Rakshit,  
4. Sri Prabir Kumar Rakshit.

(Transferee)

S/Shri

- (3) 1. Shyamapada Chatterjee,  
2. Dr. K. M. Das  
3. Dr. K. M. Das,  
4. N. Sur,  
5. Tapas Banerjee/Sova Rani Banerjee,  
6. Subodh K. Sur,  
7. Subodh K. Das,  
8. Saroj K. Mondal,  
9. Smt. Rama Dhar,  
10. Dilip K. Datta,  
11. Ram Narayan Bhakat,  
12. Tarapada Das,  
13. Dr. Bhupati Sarkar,  
14. Kartick Ch. Puley,  
15. H. B. Chakrabarty,  
16. Sunil K. Neogy,  
17. Dr. K. M. Das,  
18. Dr. R. M. Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 3 cottahs 10 chittaks more or less together with structures partly one, partly two and partly three storied including a Cinema House with machineries and furniture known as Jyoti Cinema in Chandan Nagore bearing municipal Holding Nos. 356 and 357 in District Hooghly more particularly as per deed No. 5546 dated 5-12-1977.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 23-8-1978

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Manashi Chakraborty  
2. Smt. Madhu Lekha Goswami

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Smt. Chhabi Rani Bhattacharjee.  
2. Sri Samiran Bhattacharjee.  
3. Smt. Sumana Bhattacharjee  
All proprietors of Tara Engineering Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1978

Ref. No. AC-27/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6A situated at Roy Ghat Lane, Serampore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Serampore on 3-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—256GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 cottahs 8 chittaks 19 sft. together with structure thereon situated at 6A, Roy Ghat Lane, Serampore, Dist. Hooghly more particularly as per deed No. 3319 dated 3-12-1977.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar-4, the 5th August 1978

Notice No. 219/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 7-3-40 situated at Durgapura, Bidar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bidar under Document No. 1932/77-78 on 24-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Fakruddin Quadri S/o Abdul Sattar Saheb, Bidar.  
(Transferor)

(2) Smt. Salemunisa Begum  
D/o Sri Md. Ismail Saheb.  
H/o Shri Mahamad Yusuf Ahmed,  
No. 7-4-3, Dargapura, Bidar.  
T(ransferee)

(3) Shri Bhagawatsingh,  
Education College Boys Hostel,  
Bidar.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The House property at Dargapura, Bidar bearing No. 7-3-40.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 5-8-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-4

Dharwar-4, the 4th September 1978

Notice No. 227/78-79/Acq.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 244 and 245 and Doors No. 206/1 and 206/2 situated at Bhatkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Honnavar under Document No. 464/77-78 on 4-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Siddik Mohamed Sayeed  
S/o Umer Sahib,  
Sugadi of Bhatkal, Navayat Colonies,  
Bhatkal (N. Kanara).

(Transferor)

- (2) Smt. Nasreem Banoo W/o Jalha Motesham,  
Navayat Colonies Sugadi of Bhatkal by her G.P.A.  
Holder Shri Mohd. Suaib Hossan, Motesham,  
Now at Post Box No. 4007,  
Dhubai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property consists of buildings and open sites bearing Plot Nos. 244 and 245 admeasuring area 20 Gunthas and Door Nos. 206/1 and 206/2 situated at Navayat Colony, Sugadi of Bhatkal.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 4-9-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1978

Ref. No. RAC. No. 113/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/75/1 situated at G.P. Road, Hazurabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Huzurabad on 17-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kundharapu Laxmamma,  
W/o Gopaiah,  
R/o Jammikunta, Huzurabad-Tq.,  
Kareemnagar-Dist.

(Transferor)

- (2) Smt. Thangeda Pushpalatha,  
W/o Dr. T. Anand Rao,  
R/o Jammikunta, Huzurabad-Tq.,  
Kareemnagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 8-75/1 situated at G. P. Road, Huzurabad, total area 822 Sq. yds. Huzurabad, Kareemnagar Dist. registered vide Document No. 5182/77 with the Sub-Registrar Huzurabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 114/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 15.36 acrs at Pocharam, Village Medak-Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangareddy on 14-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Yousuffuddin Ahmed,  
2. Habeebuddin Ahmed,  
3. Dr. Azeezuddin,  
4. Aneesuddin Ahmed,  
5. Iftikharuddinsa Begum,  
All residing at 22-1-1967 Aziz Bagh, Sultanpura, Hyderabad.

(Transferors)

S/Shri

- (2) 1. Manohar Lal Agarwal,  
2. Chandra Mohan Agarwal,  
3. Brij Mohan Agarwal,  
4. Anand Mohan Agarwal,  
All residing at 177, Bowenpally, Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dry land situated at Pocharam Village in Survey No. 157/1 Medak-Dist, 15.36 Acrs, registered vide Document No. 2017/77 with the Sub-Registrar Sangareddy.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 115/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dry land 23.29 Acres, situated at Patanchervu, Village Medak-Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangareddy on 14-12-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri 1. Manoharlal Agarwal,  
2. Chandra Mohan Agarwal,  
3. Brij Mohan Agarwal,  
4. Anand Mohan Agarwal,  
All residing at H. No. 177 Bowenpally,  
Secunderabad.

(Transferors)

- (2) 1. Sri Yousufuddin Ahmed S/o Tajuddin Mohd.  
H. No. 22-1-1967 at Aziz Bagh, Sultanpura,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dry land 23.29 acres situated at Patancheru village Sangareddy-Tq. Medak-Dist, registered vide Document No. 2016/77 with the Sub-Registrar, Sangareddy.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 116/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6 situated at Ameerpet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairtabad on 23-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Mahabir Pershad,  
S/o late Palelal,  
H. No. 21-2-724 at Charkaman,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mukundas,  
S/o Kishen Gopal Loya,  
H. No. 3-2-813 at Lingampally,  
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land No. 6 situated at Ameerpet, Hyderabad measuring 715 Sq. yds. registered vide Document No. 3221/77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC No. 117/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.Plot No. 2 situated at Ameerpet, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Khairatabad on 23-12-1977for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act,
- 
- in respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—(1) Sri Satyanarayana Gupta,  
H. No. 21-2-724 at Charkaman,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Govindlal  
S/o late Chunnillal Mondhana,  
H. No. 5-5-161/3 at Raniganj,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of thirty days
- 
- from the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-
- 
- movable property, within 45 days from the date
- 
- of the publication of this notice in the Official
- 
- Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land in Plot No. 2 situated at Ameerpet, Main Road  
Hyderabad, admeasuring 715 Sq. yds., registered vide Docu-  
ment No. 3222/77 with the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal

## FORM ITNS ———

(1) Sri Nilesh V. Patel,  
75-Nehru Nagar,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Gaffar,  
H. No. 1-5-48/2 Behind Police Station  
at Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE.

## HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 118/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-  
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.

Plot 530 Sq. yds. situated at Maredpally,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Secunderabad on 16-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

16—256GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 530 sq. yds. situated at  
St. Johan Road, Maredpally, Secunderabad, registered vide  
Document No. 2166/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 119/78-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-824/3 situated at J. N. Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Miss Dinbanoozal Bastawala,  
H. No. 4-1-824 at Jawaharlal Nehru Road,  
Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sri Rajkumar Gupta,  
H. No. 18/4 at Vigyanpuri,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4-1-824/3 situated at Nizamshai Road, Hyderabad, registered vide Document No. 3606/77 with the Office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC, No. 120/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-2-1000 & 1000/Habeebnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 15-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Gulam Hussain,  
H. No. 6-3-348/9 at Dwarakapuri Colony,  
Panjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Mehrunnisa Begum,  
F/o Mohd. Sharifuddin Ahmed,  
H. No. 10-2-1000 and 1000/A at Habibnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M Nos. 11-2-1000 to 1000/A at Habeebnagar, Hyderabad admeasuring 171.60 Sq. yds. registered vide Document No. 3150/77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 121/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of A in M. No. 22-7-270 situated at Diwan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Azampura on December 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri Mangilal Agarwal  
S/o Harishanker Agarwal,  
H. No. 15-1-630/1 at Pheel Khana,  
Hyderabad.

(Transferee)

- (2) 1. Sri Dunganrshi Hindocha,  
2. Smt. Jayabai W/o Sri Dunganrshi Hindocha,  
H. No. 21-1-740 at Pattergatti,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land No. A admeasuring 687.56 Sq yds. forming a part of House M. No. 22-7-270 at Diwan Devdi, Hyderabad, registered vide Document No. 2455/77 with the Sub-Registrar, Azampura.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC, No. 122/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot in M. No. 22-7-270 of portion Diwan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Azampura, on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Sanwalram Kanodia,  
H. No. 117/1 5th Cross Kalsipalyam,  
New Extension, Bangalore-2.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Dunganrshi Hindocha,  
2. Smt. Jaya Bai W/o Sri Dunganrshi Hindocha,  
H. No. 21-1-740 at Pathergatti,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 278-44 Sq. yds. forming a portion of House M. No. 22-7-270 situated at Nizam Bagh, Diwan Devdi, Hyderabad, registered vide Document No. 2456/77 with the Sub-Registrar, Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC, No. 123/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 437, situated at Greater Open land situated at Nagarajupeta, Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah on 9-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) D. Prabhakar Reddy S/o Ramchandra Reddy,  
R/o Bokkudupally, Pulivendla-Tq.,  
Cuddapah-Dist. (Transferor)
- (2) Sri Y. S. Sudakar Reddy S/o Sri Y. S. Rajareddy,  
of Pulivendla,  
Cuddapah-Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds. at Nagarajupeta, Cuddapah adjacent to I.T. Office Building, registered vide Document No. 5496/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978  
Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC, No. 124/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagarajupeta, Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Cuddapah on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri D. Sakumar Reddy,  
S/o Ramachandria Reddy,  
R/o Bokkudupalli Village Pulivenda-Tq.,  
Cuddapah- Dist.

(Transferor)

(2) Sri Y. S. Ravindranand Reddy  
S/o Sri Y. S. Rajareddy,  
R/o Pulivendla, Cuddapah-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds at Nagarajupet, Cuddapah adjacent to the Incometax Building Cuddapah, E.W. 38 Ft. N.S. 123 Ft. registered vide Document No 5495/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 125/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagarajupeta, Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri D. Chandrasekhareddy  
S/o Sri Ramachandra Reddy,  
R/o Bokkudupalli, Village,  
Pulivendla-Tq., Cuddapah.

(Transferor)

(2) Sri Y. S. Vivekanandareddy  
S/o Y. S. Rajareddy, of Pulivendla,  
Cuddapah-Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds. situated at Nagarajupeta, adjacent to Income tax Office, Cuddapah, E.W. 38 ft. N.S. 123 ft registered vide Document No. 5494/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

## HYDRABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 126/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagarajupeta Cuddapah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuddapah on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—256GI/78

- (1) Sri D. Narayanareddy,  
S/o Ramachandra Reddy,  
R/o Bokkudupalli, Village, Pulivendla-Tq,  
Cuddapah-Dist.

(Transferor)

- (2) Sri Y. S. Rajasekhara Reddy  
S/o Sri Y. S. Rajareddy,  
of Pulivendla, Cuddapah- Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site about 520 Sq. yds. at Nagarajupeta, adjacent to Incometax Office, Cuddapah, E.W. 38 ft. N.S. 123 ft. registered vide Document No. 5498/77 with the Sub-Registration Office, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 127/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site situated at Nagaraupeta, Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah on December-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri D. Ramachandradeddy  
R/o Bokkudupalli, Village Pulivendla Tq.,  
Cuddapah-Dist.

(Transferor)

- (2) Sri Y. S. Georgereddy S/o Y. S. Rajareddy,  
of Pulivendla,  
Cuddapah-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant site of land about 851 Sq. yds. at Nagaraupeta, adjacent to the Income-tax Building Cuddapah, registered vide Document No. 5492/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 128/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/84, & 85/ situated at Nagarajupeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapah on December-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Sugana Peter W/o M. N. Peter, Cuddapah.
2. Francis Chendrasekar Peter,
3. Joseph Chendrabushan Peter,
4. Joseph Hema Nalini,
- All residing at Cuddapah.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Sri Geogreddy,
2. Rajasekar Reddy,
3. Sri Vivekananda Reddy,
4. Sri Sudhakar Reddy,
5. Sri Rajareddy,
- All residing at Cuddapah.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Door No. 3/84A and ground floor 3/85 situated at Nagarajupet, adjacent to Cuddapah Railway Station, registered vide Document No. 5684/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC. No. 135/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 1-8-165 situated at Kamareddy, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kamareddy on December-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Kum. K. R. Swaroof Rani,  
D/o K. R. Rajareddy,  
R/o Sarojini Devi Road,  
Kamareddy, Nizamabad-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Amarjeet Singh S/o Darshan Singh,  
Station Road,  
Kamareddy, Nizamabad-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi Bearing No. 1-8-165 situated at Satation Road, Kamareddy, Nizamabad, registered vide Document No. 4954/77 by the Sub-Registrar, Kamareddy.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE,****HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th August 1978

Ref. No. RAC, No. 136/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-8-168 Mulgi situated at Kamareddy, Nizamabad-Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamareddy, on December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kum. K. R. Swaroop Rani  
D/o K. R. Raja Reddy,  
R/o Sarojini Devi Road,  
Kamareddy, Nizamabad-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Nimmala Raja Reddy,  
S/o Jeeva Reddy,  
General Merchant and Commission Agents,  
Gandhi Gunj, Kamareddy,  
Nizamabad-Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mulgi No. 1-8-168 situated at Station Road, Kamareddy, Nizamabad-Dist., registered vide Document No. 4955/77 by the Sub-Registrar, Kamareddy.

**K. S. VENKATARAMAN**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1978

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 28th August 1978

Ref. No. IAC.Acq.I/SR,III/Feb.42/77-78/2608.—

Whereas J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.

A-427, situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 15-2-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Rishi W/o Shri Subash Chand Rishi,  
R/o 33/3, Ramash Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sardar Swarn Singh Samwi  
S/o Waryam Singh Samwi and  
Smt. Bhagwanti w/o S. Swarn Singh Samvi  
R/o A-427, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

A single storyed house built on a free-hold basis of land  
measuring 216.60 sq. yds. bearing No. A-427, Defence  
Colony, New Delhi and bounded as under :—

North : A-426  
South : A-428  
East : Main Road  
West : Service Lane

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 28-8-1978 ;

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th August 1978

Ref. No. I.A.C.Acq.I/SR-III/Jan.73/77-78/2609.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-72A situated at Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 26-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Joginder Pasricha  
W/o Shri H. S. Pasricha,  
2. Smt. Amrit Ahuja alias Amrit Kaur Ahuja  
W/o Ajit Singh Ahuja,  
R/o 12/28, Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferors)

- (2) M/s. B. L. & Co.  
Through Shri Jugal Kishore Aggarwal,  
S/o Baboo Lal Aggarwal  
R/o W-39 Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A free-hold shop/commercial plot measuring 121 sq. yds. bearing No. M-72-A, situated at Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :

North : Shop Plot No. M-72  
South : Shop Plot No. M-73  
East : Road  
West : Road

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 29-8-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd September 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/Dec/1593/77-78.—

Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 9, Road No. 51, situated at

Punjabi Bogh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 19th December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kishan Bharati  
S/o Shri Bal Kishan  
R/o 9/51, Punjabi Bagh,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri (1) Tarlochan Singh  
(2) Kartar Singh  
(3) Balbir Singh  
Sons of Shri Ishar Singh  
R/o 28, North Avenue Road, Punjabi Bagh,  
Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house bearing No. 9, Road No. 51, situated in the approved colony known as "Punjabi Bagh" Delhi, area of Village Madipur, New Delhi and bounded as under :—

North : Property built on plot No. 7  
South : Property built on plot No. 11  
East : Service Lane No. 51  
West : Service Land 15 ft. Wide.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi.

Date : 2-9-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001  
New Delhi, the 2nd September 1978

Ref. No. JAC/Acq-III/SR-II/Dec/1608/77-78.—

Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-9, situated at New Multan Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vidya Wati Narang  
Daughter of Shri Parshotam Lal,  
Widow of Shri Jai Dev Narang  
R/o House No. C(6)/19, Kalkaji,  
New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Smt. Sheel Sehgal w/o Shri Om Prakash Sehgal  
R/o House No. 18, North West Avenue,  
Punjabi Bagh Extension,  
Delhi-110026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 9, Block 'E' (Plot No. E-9) admeasuring 206-2/3 square yards (size 31 ft. × 60 ft.) equal to 172.8 square Metres situated in a free hold and approved residential colony known as New Multan Nagar at Mile Stone 6-7 to 7-2 towards north of main Rohtak Road, Delhi in the area of Village Jawala Heri, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : By 40 ft. wide Main Road of the Colony.  
West : By Plot No. 8 Block 'E' (Plot No. E-8).  
North : By 22 ft. wide Service Lane.  
South : By 40 ft. wide Main Road of the colony.D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi.Date : 2-9-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, N-W DELHI-110001

New Delhi, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/242/Dcc.28/77-78.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-44, situated at Greater Kailash Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamla Devi Kapoor  
W/o Shri Hans Raj Kapoor,  
D-15, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri H. S. Duggal s/o Sohan Singh Duggal,  
16 Ishwar Colony, Pambri Road,  
Delhi.

2. Mrs. Jagdip Kaur Duggal w/o H. S. Duggal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property bearing No. M-44, situated at Greater Kailash Part-I, New Delhi measuring 510 Sq. yds. and bounded as under :

North : Road,  
South : Service land  
East : Property No. M-46  
West : Plot of land No. M-42.

G. S. GILL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Delhi/New Delhi.

Date : 7-9-1978

Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) Shri Ram Singh,  
R/o 1-E/1 Jhandewala,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Smt. Daya Kaur and Gurdev Singh  
R/o No. 2, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 7th September 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/226/Dec.4/77-78.—  
Whereas, I, J. S. GILL,being the competent authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearing No.2 N.D.S.E. Part-I, New Delhi situated at  
N.D.S.E. Part-I, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 1-12-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-  
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from the  
transfer, and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publications of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expression used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property bearing house No. 2 measuring  
300 sq. yds. situated at N.D.S.E. Part I, New Delhi.

G. S. GILL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 7-9-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 3rd April 1978

Ref. No. Acq/898/Firozabad/77-78/48.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 26-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Beerbal S/o Siyaram  
Resident of Basai Mohammadpur,  
P. O. & Teh. Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Satish Prakash Mittal, Vijay Prakash Mittal, Rajendra Prasad Mittal, Narendran Prakash Mittal and Ved Prakash Mittal Sons of Siyaram Mittal, R/o Chaubey Ji Ka Bag,  
Firozabad Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property situated at Parmeshwarangate, Firozabad, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-4-1978

Seal :